संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 48
पृष्ठ 8
मंगलवार
03 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शादी के बाद लड़कियों के गुस्सैल...

विचार- शैक्षिक सशक्तिकरण, पहुंच और...

खेल- भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे...

सपा यूपी के लिए शाप, जब भी आई तबाही मचाई- योगी

मुख्यमंत्री ने गोंडा में 520 करोड़ की 69 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास



लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि किसी सपाई और किसी कसाई को मां दुर्गा की पूजा से परेशानी होती है तो अपने घर में शोक मनाओ, लेकिन किसी को परेशान मत करो। समाजवादी पार्टी अपने आप में उत्तर प्रदेश के लिए एक शाप है। यह जब भी आई, हमेशा तबाही मचाई। सपा सरकार में दुर्गा पूजा के पंडालों को विवादित किया जाता था, पूजा की अनुमति नहीं मिलती थी और कांवड़ यात्रा पर रोक लगा दी जाती थी। आज उत्तर प्रदेश कर्फ्यू-दंगा मुक्त है। भाजपा का मतलब आस्था को सम्मान देने वाली पार्टी है, जबकि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का मतलब अपराध है। वे बदमाश लाते हैं, हम बदलाव लाते हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को गोंडा में 520 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 69 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। 7 नवंबर को अयोध्या में दीपोत्सव का दसवां संस्करण आयोजित होगा। दीपोत्सव अयोध्या में होगा, लेकिन उसकी रोशनी विकास के रूप में गोंडा और पूरे देवीपाटन मंडल तक पहुंचेगी। गोंडा में दिखाई दे रहा विकास इसी परिवर्तन का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवीपाटन मंडल में सबसे ज्यादा स्थानों पर मां दुर्गा पूजा के पंडालों को विवादित करके रखा गया था। पूजा करने की भी अनुमति नहीं मिलती थी। कोई सनातन धर्मावलंबी अपने घर में मां दुर्गा की पूजा करता था तो कोई सपाई और कसाई उसका विरोध करके एप्लिकेशन देता था और लखनऊ से समाजवादी पार्टी की सरकार उस पर रोक लगाती थी। इस बार नवरात्र में पूरे प्रदेश में 67 हजार मूर्तियां स्थापित की गई थीं। गोंडा कमिश्नरी के लिए उन्होंने विशेष रूप से कहा था कि मूर्ति स्थापना के लिए अनुमति मांगने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। समाजवादी पार्टी की सरकार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा नहीं निकलने देती थी। गाजियाबाद से हरिद्वार के बीच कांवड़ यात्रा में 4.5 करोड़ श्रद्धालु शामिल हुए। नवरात्र में भी पूरे प्रदेश में शांतिपूर्ण माहौल रहा। मुख्यमंत्री ने 2 नवंबर 1990 की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी दिन अयोध्या में राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान समाजवादी पार्टी की तत्कालीन सरकार ने रामभक्तों पर गोली चलाकर उन्हें लहूलुहान किया था। हमने रामभक्तों पर पुष्प वर्षा करके अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। अयोध्या का विकास आगे बढ़ाया और दीपोत्सव के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि भगवान राम की पावन धरा में जो दीप जलेगा, उसका विकास गोंडा तक पहुंचेगा। आज से दस वर्ष पहले गोंडा से देवीपाटन स्थित मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ पहुंचने में ढाई से तीन घंटे लगते थे। सड़कें गड्ढों में तब्दील थीं, असुरक्षा का वातावरण था, विकास कार्य ठप थे, नौजवान बेरोजगार और अन्नदाता किसान बेहाल था। यह वही धरती है जिसने महाराजा सुहेलदेव का शौर्य और पराक्रम देखा, मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ की शक्ति से विदेशी आक्रांताओं को नेस्तनाबूद किया और 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर के अमर सेनानी महाराजा देवी बख्श सिंह का पराक्रम देखा। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा और गोस्वामी तुलसीदास की रामकथा से जुड़ी इस पावन भूमि की पहचान विकास के अभाव में संकट में पड़ गई थी। जिस धरती ने दुनिया को रोशनी दिखाई, वह स्वयं अंधेरे में रह गई। पिछले साढ़े नौ वर्षों में अकेले गोंडा जिले के लिए 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। पूरे देवीपाटन मंडल के लिए लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। कुछ परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, कुछ पर काम चल रहा है और नई परियोजनाओं के प्रस्ताव भी मांगे गए हैं।

अराजकता से सत्ता हासिल करना चाहती है कांग्रेस

शाह का कांग्रेस पर हमला, पदयात्रा से पहले क्या आरोप लगाए?



हैदराबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद अराजकता के जरिये सत्ता हासिल करने और लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यहां अपनी लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा से पहले एक्स पर एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा, नागरिकों ने इन हमलों से अपने लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए कमर कस ली है। अमित शाह सोमवार शाम को इस पदयात्रा का नेतृत्व करेंगे। यह पदयात्रा बशीरबाग स्थित बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा से शुरू होगी। यहां मोअज्जम जही मार्केट तक जाएगी। शाह सोमवार दोपहर को यहां बेगमपेट हवाई अड्डे पहुंचे। वह पदयात्रा में शामिल होने के लिए यहां आए हैं। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी और तेलंगाना भाजपा के अन्य नेताओं ने हवाई अड्डे पर शाह का गर्मजोशी से स्वागत किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इन टिप्पणियों में रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई इंडिया ब्लॉक की रैली का जवाब दिए जाने की उम्मीद थी। इस रैली में गठबंधन ने भाजपा की आलोचना की थी। इंडिया ब्लॉक ने रविवार को कथित वोट चोरी के आरोपों को लेकर भाजपा को सत्ता से हटाने की मांग की थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि भविष्य में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाया जाएगा और देशद्रोह के आरोप में उन्हें जेल भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को कानून से बचने नहीं दिया जाएगा।

लालू यादव का हालचाल पूछने उनके आवास पर पहुंचीं सोनिया

नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के आवास पर पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। श्री लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी देते हुए बताया कि श्रीमती गांधी उनके आवास पर आयी थीं और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान पुराने दिनों की यादें भी ताजा हुईं। श्री यादव ने लिखा आदरणीय मैडम श्रीमती सोनिया गांधी जी ने आवास पर पहुँच कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान पुराने दिनों की यादें ताजा हुई।



झुंझुनू में हाईटेंशन लाइन छूने से 8 श्रमिकों की मौत, सीएम ने जांच के दिए आदेश

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के झुंझुनू जिले में सोमवार को बध्जिली के करंट की चपेट में आने से आठ मजूदरों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक जताते हुए सबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार एवं प्रभावित परिवारों को तत्काल हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने तथा घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। उदयपुर वाटी के थानाधिकारी रामपाल ने बताया,''छापोली गांव में सोमवार सुबह सड़क बनाने काम चल रहा था। इस दौरान रोड़ी मिलाने वाली मशीन ऊपर से गुजर रहे हाइटेंशन तार के संपर्क में आ गई। उसमें करंट फैल गया और काम कर रहे मजूदर करंट की चपेट में आ गए।'' उन्होंने कहा, ''आठ मजदूरों की मौत होने की जानकारी दी गई है।'' उन्होंने बताया कि कुछ लोग घायल भी हुए हैं जिनको नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।

नितिन नवीन का कांग्रेस और आरजेडी पर हमला

एसआईआर प्रक्रिया पर झूठ फैलाने का लगाया आरोप



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव पर बिहार के लोकतांत्रिक जनादेश का अपमान करने और जनता द्वारा नकारे जाने के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। 2 नवंबर को भागलपुर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ मार्च को संबोधित करते हुए, नवीन ने कहा कि अब विपक्षी नेताओं को निर्णायक रूप से हराने का समय आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की निर्धारित प्रक्रिया के दौरान कोई आपत्ति नहीं जता पाए और अब वे गलत जानकारी फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की लोकतंत्र की इस पवित्र भूमि से यह संदेश मिलता है कि अब इन विपक्षी नेताओं को निर्णायक रूप से हराने का समय आ गया है। अगर कांग्रेस पार्टी अभी भी सबक नहीं सीखती है, तो जनता उन्हें ऐसा सबक सिखाएगी और उनकी ऐसी करारी हार सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में कांग्रेस का नाम लेने वाला भी कोई नहीं बचेगा। नबिन ने आगे कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार की जनता द्वारा दिए गए जनादेश का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस जनादेश का अपमान करना, खुद बिहार की जनता का अपमान करने के बराबर है। एसआईआर प्रक्रिया की आलोचना पर उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 60 दिन का समय दिया गया था, जिसका कांग्रेस और आरजेडी ने कोई उपयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि आज जब भाजपा और एनडीए गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरे देश में पदयात्रा निकाल रहे हैं, तब विपक्ष – जो कल दिल्ली के रामलीला मैदान में दिखा था – झूठ के बीज बोने में व्यस्त था।''प्त प्रक्रिया की शुरुआत यहीं बिहार से हुई थी, और कल विपक्ष के नेता राहुल गांधी ऐसे ही कई झूठ फैलाने में लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक औपचारिक प्रक्रिया हैरू मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के संबंध में दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए पूरे 60 दिनों का समय दिया जाता है।

मुजफ्फरपुर में पीएनजी पाइपलाइन फटने से धमाका, 1 की मौत और 6 घायल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के गोबरसही-डुमरी इलाके में सोमवार को 'पाइप्ड नेचुरल गैस' (पीएनजी) की पाइपलाइन से गैस रिसाव के बाद भीषण विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब एक बजे सदर थानाक्षेत्र के गोबरसही-डुमरी इलाके में पाइपलाइन के पास जेसीबी मशीन से काम किया जा रहा था, इसी दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से गैस का रिसाव होने लगा और फिर जोरदार विस्फोट हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज करीब तीन किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी कुमार गौरव ने संवाददाताओं से कहा, ''पीएनजी पाइपलाइन से गैस रिसाव के कारण विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, गैस रिसाव के कारण विस्फोट हुआ।

राहुल ने पीएम मोदी को दी खुली बहस की चुनौती, बोले- विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने

नई दिल्ली, एजेसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने पीएम मोदी पर विदेशी मदद के सहारे सत्ता में बने रहने का आरोप लगाकर राजनीतिक विवाद तेज कर दिया। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और अब भी इसी मदद के सहारे इस पद पर बने हुए हैं। उन्होंने देश की आर्थिक व्यवस्था और विदेशी सोशल मीडिया को लेकर भी सवाल



उठाए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि वह किसी भी मंच पर और किसी भी समय उनसे चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री इसलिए बहस के लिए नहीं आएंगे, क्योंकि वह जानते हैं कि राहुल उनके बारे में क्या जानते हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी को सीधे निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, श्मोदी जी, इस देश से झूठ बोलना बंद कीजिए। आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं।श राहुल ने आगे आरोप लगाया कि देश की आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण और समर्थन में है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विदेशी सोशल मीडिया पूरी तरह प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने लिखा, श्मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं।

PRESS
हमेशा आपके साथ

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

35 करोड़ का ओवरब्रिज, छह साल में ही जवाब देने लगे एक्सपेंशन ज्वाइंट

प्रयागराज। प्रयागराज–जौनपुर राजमार्ग पर फूलपुर रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर बने ओवरब्रिज के एक्सपेंशन ज्वाइंट क्षतिग्रस्त हैं। पुल पर खतरनाक गैप बन गए हैं। इस गंभीर स्थिति के बावजूद सेतु निगम और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) यह तय ही नहीं कर पा रहे हैं कि पुल किसके अधीन है और मरम्मत की जिम्मेदारी किसकी है। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की ओर से करीब 800 मीटर लंबे इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण जनवरी 2018 में शुरू हुआ था। दिसंबर 2019 में इस पर आवागमन शुरू हुआ। अब हालत यह है कि पुल पर लगाए गए स्टील स्ट्रिप सील एक्सपेंशन ज्वाइंट की लोहे की पट्टियां टूटकर उखड़ चुकी हैं। रबर सील गायब होने से ज्वाइंट के बीच गहरा अंतराल बन गया है। कुछ स्थानों पर तो टूटी लोहे की पट्टियां जोड़ कर किसी तरह लापरवाही को ढकने की कोशिश की गई है। ओवरब्रिज से गुजरते समय जैसे ही वाहन टूटे एक्सपेंशन ज्वाइंट पर पहुंचते हैं, तेज आवाज के साथ जोरदार झटका लगता है। कस्बे के वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल कृष्ण द्विवेदी राजा बाबू, मन्नू सिंह, आजाद, सैयद बाबू का कहना है कि साइकिल सवारों के लिए भी यहां से गुजरना चुनौती बना हुआ है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कई बार बाइक सवारों के पहिए गैप में फंसने से वे गिरते–गिरते बचे हैं। एक्सपेंशन ज्वाइंट पुल का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। तापमान में बदलाव और वाहनों के दबाव से पुल में होने वाले फैलाव और सिकुड़न को संतुलित करने में इसकी अहम भूमिका होती है। अनुपम कृष्ण द्विवेदी का कहना है कि ऐसे में ज्वाइंट की रबर सील और अन्य हिस्सों का टूटना केवल ऊपरी सड़क की खराबी नहीं है। गैप से बारिश का पानी पुल के भीतर पहुंचने पर लोहे के हिस्सों में जंग लगने और संरचना को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ सकती है। समय रहते तकनीकी जांच और मरम्मत नहीं हुई तो समस्या गंभीर हो सकती है। कस्बे के वरिष्ठ अधिवक्ता पीसी यादव, जगदीश मौर्य और सैयद जाकिर अहमद उर्फी का कहना है कि तकरीबन 35 करोड़ रुपये खर्च कर तैयार किए गए पुल की छह साल बाद ही ऐसी हालत होना निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय नागरिकों ने सेतु निगम और लोक निर्माण विभाग से पूरे पुल के एक्सपेंशन ज्वाइंट की जांच कराकर क्षतिग्रस्त हिस्सों को तकनीकी मानकों के अनुसार बदलने की मांग की है।

फूलपुर के 28 सी रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण सेतु निगम ने 2018 में किया था। रेलवे लाइन के ऊपर का भाग का निर्माण रेलवे ने किया था। वहीं, आरओबी एनएचएआई को हैंडओवर कर दिया गया है। –रोहित मिश्रा, परियोजना प्रबंधक, सेतु निगम

आरओबी अभी पूरी तरह से हैंडओवर नहीं हुआ है। कागजी कार्रवाई बाकी है। फिलहाल समस्या का हल निकालने का प्रयास किया जाएगा। –एसके सिंह, परियोजना निदेशक, एनएचएआई

सुरमयी शाम में बिखरे प्रेम के रंग, कवियों ने बांधा समा

प्रयागराज। करछना के रामपुर में चल रहे 28वें जमुनापार महोत्सव के पांचवें दिन प्रेम तत्व की मार्मिक व्याख्या की गई। मंच पर पहुंचे कवियों और कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। प्रयागराज के स्वामी विनोदानंद ने रामहिं केवल प्रेम पियारा चौपाई से प्रेम तत्व समझाया। उन्होंने प्रेम को जगत का सार बताया। स्वामी विनोदानंद ने सामाजिक समरसता और



भगवान राम के आदर्श लोक जीवन अपनाने का संदेश दिया। मिर्जापुर से आए आचार्य पंकज ने सत्संग की महिमा का बखान किया। लोक गायक राम प्रसाद और साथियों ने जवानों, किसानों का अभिनंदन किया। कृष्ण कुमार तिवारी ने भजन गाकर लोगों को भाव विभोर किया। बबलू सिंह बहियारी ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ वीरेंद्र सिंह कुसुमाकर, कृष्णकांत कामिल, अमित कुमार और शायर शबरेज अहमद ने काव्य पाठ कर श्रोताओं की तालियां बटोरीं। महोत्सव के संयोजक डॉ. भगवत पांडेय ने रामचरितमानस और संत प्रवर का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव सनातन संस्कृति और सामाजिक विविधता से जोड़ता है। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने सभी श्रोताओं के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे।

सवा लाख दीपों से जगमगाएगा शृंग्वेरपुरधाम

प्रयागराज। भगवान श्रीराम की पावन तपोभूमि शृंग्वेरपुरधाम में छह नवंबर से आठ नवंबर तक सातवां शृंग्वेरपुर महोत्सव आयोजित होगा। इस बार अयोध्या और चित्रकूट की तर्ज पर सवा लाख दीपों का भव्य दीपोत्सव होगा। महोत्सव की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। यह तीन दिवसीय महोत्सव दिवाली की पूर्व संध्या पर धनतेरस के दूसरे दिन आयोजित होगा। गंगा तट सहित पूरे शृंग्वेरपुरधाम में सवा लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। महोत्सव का आयोजन जय श्रीराम सेवा समिति शृंग्वेरपुरधाम कर रही है। समिति के अध्यक्ष संजय तिवारी और संचालक अरुण द्विवेदी आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को आमंत्रण दिया गया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह समेत कई मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को भी निमंत्रण भेजा गया है। आमंत्रित अतिथियों ने महोत्सव में आने का आश्वासन दिया है। तीन दिवसीय महोत्सव में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम होंगे। विभिन्न सरकारी विभाग आकर्षक प्रदर्शनियां लगाएंगे। इन प्रदर्शनियों में योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी। विभिन्न क्षेत्रों के कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। आयोजकों का उद्देश्य शृंग्वेरपुरधाम को राष्ट्रीय स्तर पर धार्मिक और पर्यटन केंद्र बनाना है। दीपोत्सव को लेकर कुम्हारों में भी खासा उत्साह है। दीपदान के लिए बड़ी संख्या में मिट्टी के दीये तैयार किए जा रहे हैं।



पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद में जुटेंगे 17 विश्वविद्यालयों के कुलपति, राज्यपाल भी करेंगी शिरकत

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) विश्वविद्यालय और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ के तहत चार नवंबर को पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद–2026 का आयोजन किया जाएगा।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) विश्वविद्यालय और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ के तहत चार नवंबर को पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद–2026 का आयोजन किया जाएगा। इसमें 17 विश्वविद्यालयों के कुलपति और 100 से अधिक विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें 50 से अधिक स्टार्टअप एक्सपो में अपने उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे।

स्टार्टअप संवाद के दौरान प्रदर्शनी के साथ तीन तकनीकी सत्र, एक पैनल डिस्कशन और एक गोलमेज बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें पूर्वांचल के विश्वविद्यालयों से जुड़े स्टार्टअप और नवाचारों पर चर्चा होगी। इसके अलावा, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित शैक्षणिक सुविधाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा। इनमें दो कॉन्फ्रेंस कक्ष, दो सेमिनार कक्ष, फिटनेस स्टूडियो और आयुर्वेद संग्रहालय शामिल हैं। इसका लोकार्पण राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी।

आयोजन में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के 100 से अधिक प्राचार्य, शिक्षक और विद्यार्थी भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर से 100 से अधिक शिक्षक और 300 से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे।

वहीं, एकेटीयू से संबद्ध महाविद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक और विद्यार्थी भी संवाद का हिस्सा बनेंगे। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों में स्टार्टअप गतिविधियों को बढ़ावा देने और नवाचार के लिए शैक्षणिक संस्थानों के बीच संवाद को मजबूत करना है।



तलाकशुदा और विधवा बेटियों को सीजीएचएस कार्ड में जोड़ने का रास्ता साफ

प्रयागराज। केंद्र सरकार ने केंद्रीय स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के तहत आने वाले परिवार पेंशनभोगियों को बड़ी राहत देते हुए पात्र तलाकशुदा और विधवा बेटियों को सीजीएचएस कार्ड में शामिल करने या दोबारा बहाल करने की अनुमति दे दी है।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के तहत आने वाले परिवार पेंशनभोगियों को बड़ी राहत देते हुए पात्र तलाकशुदा और विधवा बेटियों को सीजीएचएस कार्ड में शामिल करने या दोबारा बहाल करने की अनुमति दे दी है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से 28 अक्तूबर को जारी कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से यह निर्णय लिया गया है। इससे उन बुजुर्ग परिवार पेंशनभोगियों को विशेष राहत मिलेगी जिनकी बेटियां वैवाहिक संबंध टूटने या पति के निधन के बाद दोबारा उनके साथ रहने लगी हैं और आर्थिक रूप से उन पर निर्भर हैं।

पुरानी व्यवस्था में मूल केंद्रीय कर्मचारी या पेंशनभोगी की मृत्यु के बाद उसके जीवनसाथी अथवा बच्चों को वही चिकित्सा सुविधाएं मिलती थीं, जिनका लाभ मृतक कर्मचारी अपने जीवनकाल में उठा रहा था।

तमाम आवेदन मिल रहे थे विभाग को



तलाकशुदा और विधवा बेटियों को भी चिकित्सा सुविधाएं मिलती थीं लेकिन उन बेटियों को सुविधाएं नहीं मिलती थीं जिन परिवार के मूल कार्डधारक की मृत्यु के बाद बेटी का तलाक हुआ या वह विधवा हो गई। इससे कई परिवारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। स्वास्थ्य मंत्रालय को कुछ समय से इस विषय पर कई अभ्यावेदन प्राप्त हो रहे थे। इनमें विशेष रूप से बुजुर्ग परिवार पेंशनभोगियों की समस्याओं को सामने रखा गया था।

कई ऐसे मामले सामने आए जिनमें तलाकशुदा या विधवा बेटियां माता–पिता के साथ वापस रहने लगी थीं। उनके पास आजीविका का कोई स्वतंत्र साधन नहीं था और वे गंभीर बीमारियों से भी जूझ रही थीं।ऐसे में नियमित चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता के बावजूद उन्हें सीजीएचएस कार्ड में शामिल करने में पुरानी व्यवस्था बाधा बन रही थी। इन परिस्थितियों पर विचार–विमर्श के बाद मंत्रालय ने पात्र तलाकशुदा और विधवा बेटियों को परिवार पेंशनभोगियों के सीजीएचएस कार्ड में शामिल करने व पहले से हटाई गई पात्र बेटियों को दोबारा बहाल करने की अनुमति प्रदान कर दी है।

आर्थिक निर्भरता, आय का होगा सत्यापन

यह सुविधा स्वतः सभी को नहीं मिलेगी। इसके लिए संबंधित बेटी की वैवाहिक स्थिति, आर्थिक निर्भरता, आय व अन्य निर्धारित पात्रता शर्तों का सत्यापन किया जाएगा। यह भी देखा जाएगा कि बेटी का नाम पूर्व में परिवार के सदस्य के रूप में किसी सरकारी दस्तावेज में दर्ज है या नहीं। यानी केवल तलाकशुदा या विधवा होना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि निर्धारित नियमों को पूरा करना भी अनिवार्य रहेगा।

अन्य नियम रहेंगे लागू

मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सीजीएचएस के अन्य सभी नियम एवं शर्तें पहले की तरह लागू रहेंगे। आदेश की एक प्रति सीजीएचएस की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दी गई है। सरकार के इस निर्णय को उन परिवारों के लिए महत्वपूर्ण राहत के रूप में देखा जा रहा है, जहां बुजुर्ग माता–पिता अपनी विधवा या तलाकशुदा बेटियों की आर्थिक और चिकित्सकीय जिम्मेदारी उठा रहे हैं।

गायक सुनील लोधी बोले : दिव्यांगता को कमजोरी नहीं, अपनी ताकत पहचानने का जरिया बनाएं

प्रयागराज। फिल्म 'हनुमान अंश' के चर्चित भजन 'मैंने तेरे ही भरोसे, हनुमान सागर में नैया डाल दी' को अपनी आवाज देने वाले दृष्टिबाधित बुंदेली लोकगायक सुनील लोधी उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में प्रस्तुति देने पहुंचे।

फिल्म 'हनुमान अंश' के चर्चित भजन 'मैंने तेरे ही भरोसे, हनुमान सागर में नैया डाल दी' को अपनी आवाज देने वाले दृष्टिबाधित बुंदेली लोकगायक सुनील लोधी उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में प्रस्तुति देने पहुंचे। इस दौरान खास बातचीत में उन्होंने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के जरिये उनका हुनर म्यूजिक डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी तक पहुंचा और उन्हें उनके साथ भजन रिकॉर्ड करने का मौका मिला। सुनील का मानना है कि हर व्यक्ति के भीतर कोई न कोई विशेष क्षमता होती है। जरूरत है उसे पहचानने और लगातार मेहनत करने की।

सवालः संगीत के क्षेत्र में आपकी शुरुआत कैसे हुई?

संगीत के प्रति मेरा लगाव बहुत गहरा रहा है। मैं जब हारमोनियम लेकर बैठ जाता था तो धुन पूरी किए बिना उठता नहीं था। मम्मी–पापा बार–बार आवाज लगाते थे कि खाना खा लो लेकिन मेरा ध्यान संगीत में ही लगा रहता था। कई बार सुबह से दोपहर चार बजे तक



खाना नहीं खाया, क्योंकि जब तक गाना ठीक से बजा नहीं लेता था, तब तक उठता नहीं था। संगीत के प्रति यही जुनून मेरे सफर की ताकत बना।

सवालः म्यूजिक डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी तक आपका हुनर कैसे पहुंचा?

सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो डाला था। वह वीडियो म्यूजिक डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी जी तक पहुंचा। उन्होंने वीडियो पर कमेंट किया कि मुझे आपसे मिलना है। इसके बाद रात करीब 11रू30 बजे उनसे मिलने जाते थे। दो–चार भजन सुनाते और सुबह एक भजन रिकॉर्ड करने का मौका मिलता था। दोपहर 12 बजे स्टूडियो पहुंचते, 12रू30 बजे रिकॉर्डिंग शुरू होती और करीब एक बजे तक काम पूरा हो जाता था।

सवालः इस पहचान और संगीत के क्षेत्र में मिले अवसरों को आप किस तरह देखते हैं?

मैं यही चाहता हूं कि हनुमानजी महाराज सभी भाई–बहनों पर अपनी कृपा बनाए रखें। हमारे तमाम गायक, म्यूजिक डायरेक्टर और दूसरे क्षेत्रों में काम करने वाले कलाकार लगातार मेहनत करते रहें। मेरा मानना है कि करने वालों की कभी हार नहीं होती। इसलिए अपना काम करते रहना चाहिए। एक न एक दिन हनुमान जी महाराज जरूर कृपा करते हैं।

सवालः संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाले दूसरे दिव्यांग कलाकारों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

मैं उनसे यही कहूंगा कि सबसे पहले अपनी ताकत को पहचानें। हनुमानजी को भी जामवंतजी ने उनकी शक्तियों का एहसास कराया था। जब उन्हें अपनी शक्ति का ज्ञान हुआ तो उन्होंने समुद्र पार कर लंका पहुंचने का साहस दिखाया। इसी तरह हर व्यक्ति के अंदर कोई न कोई खास क्षमता होती है। जरूरत है उसे पहचानने और जगाने की। किसी को भी खुद को कमजोर नहीं समझना चाहिए। दिव्यांगता को कमजोरी नहीं, अपनी ताकत पहचानने का जरिया बनाएं।

सवालः सफलता पाने के लिए आपके अनुसार सबसे जरूरी चीज क्या है?

किसी भी काम को पूरे तन–मन–धन से करना चाहिए। एक कहावत है– 'करत–करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान। रसरी आवत जात ते, सिल पर परत निसान।' लगातार अभ्यास से कठिन काम भी आसान हो जाता है। मैंने अपने जीवन में यही सीखा है कि कभी हार नहीं माननी चाहिए। मेहनत करते रहेंगे तो एक न एक दिन उसका फल जरूर मिलेगा।

अटल बिहारी की जयंती पर 25 दिसंबर तक बनकर तैयार होगा ब्रिज

प्रयागराज। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को मलाक हरहर से स्टेनली रोड के बीच निर्माणाधीन 9.9 किमी लंबाई के सिक्स लेन ब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे। ब्रिज के गंगा के हिस्से पर पहुंचने के बाद डिप्टी सीएम ने कंस्ट्रक्शन कंपनी सिंगला के अधिकारियों और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिशाषी अभियंता वरुण वार्ष्णेय से ब्रिज की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी हासिल की। अधिकारियों ने डिप्टी सीएम को बताया कि 25 दिसंबर तक ब्रिज का बचा हुआ कार्य कर लिया जाएगा। डिप्टी सीएम ने 25 दिसंबर को पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेई की जन्म जयंती पर ब्रिज की दोनों लेन खोलने का निर्देश दिया।

राजधानी और तेजस से सस्ता वंदे भारत स्लीपर का सफर, जानें दिल्ली तक का किराया

प्रयागराज। वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का किराया तेजस और राजधानी के मुकाबले कम है। जहां डिब्रूगढ़ राजधानी का किराया 2100 से 2400 तक रहता है वहीं, इस ट्रेन का किराया 2 हजार से कम है। ऐसे ही तेजस का प्रयागराज से दिल्ली तक का थर्ड एसी फेयर 1825 है। वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का किराया तेजस और राजधानी के मुकाबले कम है। जहां डिब्रूगढ़ राजधानी का किराया 2100 से 2400 तक रहता है वहीं, इस ट्रेन का किराया 2 हजार से कम है। वहीं, आज से शुरू हो रही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की बुकिंग



रविवार से शुरू हो गई। हालांकि देखते ही देखते वेटिंग हो गई।

वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस चलने से पहले ही यात्रियों से भर गई। दीपावली पर प्रयागराज आने और पर्व के बाद लौटने के लिए ट्रेनों में सीटों का संकट गहरा गया है। दो नवंबर से शुरू होने वाली दिल्ली–प्रयागराज वंदे भारत स्लीपर में पहले दिन ही सभी श्रेणियों की सीटें बुक हो गईं। इसके बाद कई तारीखों में टिकट रिग्रेट होने से वेटिंग का विकल्प भी खत्म हो गया है। हालांकि वाराणसी से दिल्ली आने वाले ट्रेनों में सीटें खाली है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की शुरुआती बुकिंग के दौरान ही इसके किराये की तुलना दूसरी प्रीमियम ट्रेनों से होने लगी है। खास बात यह है कि वंदे भारत स्लीपर का किराया तीनों श्रेणियों में राजधानी और तेजस एक्सप्रेस से कम है। यहां तक कि इसकी फर्स्ट एसी श्रेणी का किराया सामान्य वंदे भारत के एग्जीक्यूटिव क्लास से भी कम है। वहीं, सामान्यतः वाराणसी से नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस का चेयर कार किराया 1825 और एग्जीक्यूटिव क्लास का 3350 रुपये है। वहीं, स्लीपर वंदे भारत के थर्ड एसी का किराया 1915, सेकंड एसी का 2470 और फर्स्ट एसी का 3030 रुपये है। दूसरी ट्रेनों की बात करें तो वाराणसी–नई दिल्ली शिवगंगा एक्सप्रेस के इकोनॉमी थर्ड एसी का किराया 1080, थर्ड एसी 1170, सेकंड एसी 1640 और फर्स्ट एसी का किराया 2725 रुपये है। वहीं, स्लीपर क्लास 455 रुपये का है।

प्रयागराज से दिल्ली जाने का कितना है किराया?

प्रयागराज जंक्शन से राजधानी एक्सप्रेस (12301) के थर्ड एसी का किराया 1780, सेकंड एसी का 2375 और फर्स्ट एसी का 2905 रुपये है। वहीं, तेजस का दिल्ली तक का फेयर थर्ड एसी 1825, सेकंड एसी 2485 और फर्स्ट एसी 3030 रुपये है। जबकि वंदे भारत स्लीरर का किराया 3तक एसी 1600, 2दक एसपी 2065 और फर्स्ट एसी 2530 रुपये है। बता दें कि राजधानी और तेजस का किराया घटता–बढ़ता रहता है। अन्य दूसरी एक्सप्रेस ट्रेनों के थर्ड एसी का फेयर 1 हजार और स्लीपर का 400 से 450 के आसपास रहता है।

महीनों बाद गंगा की सफाई शुरू, क्लीनिंग बोट उतारी

प्रयागराज। बाढ़ का पानी कम होने के बाद गंगा में महीनों से बंद पड़ी सफाई फिर शुरू हो गई है। नगर निगम की क्लीनिंग बोट को गंगा में उतार दिया गया है। विशेष तकनीक से तैयार यह नाव गंगा में तैर रहे फूल–माला, पूजन सामग्री और अन्य कचरे को निकालने का काम करती है। फिलहाल नाव नागवासुकि मंदिर से संगम तक गंगा की सफाई में लगाई गई है। इसी क्लीनिंग बोट का इस्तेमाल अंदावा में विसर्जन के लिए बनाए गए तालाब की सफाई में भी किया गया था। नगर निगम की योजना इसी महीने यमुना में भी तैरते कचरे की सफाई शुरू कराने की है। इसी काम के लिए वहां भी विशेष नाव लगाई जाएगी। नगर निगम के अवर अभियंता राम सक्सेना ने बताया कि गंगा और यमुना को साफ करने के लिए दो अलग–अलग नावें हैं। गंगा–यमुना का जलस्तर अधिक बढ़ने के बाद सफाई रोक दी जाती है। यमुना की सफाई करने वाली नाव अभी तालाबों को साफ कर रही है। जल्द ही नाव यमुना में लाई जाएगी। संगम की सफाई के लिए मेला प्राधिकरण भी एक नाव खरीदने पर विचार कर रहा है



एसआरएन की पुरानी बिल्डिंग में नहीं पड़ेगा भटकना

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में मरीजों का तीमारदारों को अब भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए अस्पताल प्रशासन की ओर से प्रथम और द्वितीय तल पर स्थित सभी वार्डों, जांच कक्ष और प्रशासनिक कार्यालय की जानकारी बिल्डिंग में प्रवेश करते ही डिस्पले बोर्ड पर मिल जाएगी। बिल्डिंग में 18 वार्ड, तीन ऑपरेशन थियेटर और प्रशासनिक कार्यालय है। इससे मरीजों को वार्ड खोजने में परेशानी होती है। अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक मेजर डॉ. जितेन्द्र शुक्ल के अनुसार अस्पताल में मरीजों व तीमारदारों की सुविधा के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

तिनसुकिया गोलाघाट की काव्य गोष्ठी संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाटसशहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की अक्टूबर महीने की काव्य गोष्ठीघ आंनलाइन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी की अध्यक्षता में धूमधाम से संपन्न हुइ । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राधा बिनानी, एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती मंजू धूत रही। सर्वप्रथम मां शारदे की मूर्ति स्थापना ,माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलनघ.. शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा किया गया.. सरस्वती वंदना सीमा सिंघी द्वारा प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।



सभी ने अपनी सुंदर–सुंदर प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रस्तुति देने वाली बहने ... मीना नागौरी जी, रंजना बिनानी, सीमा सिंघी , पूनम अग्रवाल रही। कार्यक्रम संयोजक मीना जी नागोरी द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया, शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का सफल आयोजन किया जाता है और सभी बहने अपनी प्रस्तुतियां द्वारा कार्यक्रम में चांद चांद लगाती आ रही है..आप सभी बहनों का बहुत–बहुत धन्यवाद।

मूर्च्छना के सौजन्य में विश्वनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सहयोग से कैंसर की रोकथाम पर जागरूकता सभा

विश्वनाथ, असम। विश्वनाथ जिला के विश्वनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सभागार में रविवार को सुबह 11 बजे कैंसर की रोकथाम पर जागरूकता बैठक का आयोजन ष्मूर्च्छनाष् के तत्वावधान में और बिश्वनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सहयोग से किया



गया।इस जागरूकता सभा में विशेषज्ञ के रूप में श्रीमती मिनती बरठाकुर , कॉटन कॉलेज में दर्शनशास्त्र विभाग की सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष की उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ व्याख्याता, अतिथि और वरिष्ठ शिक्षाविदों के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ।मूर्च्छना के सदस्य डॉ. दीपक शर्मा के संचालित जागरूकता सभा में व्याख्याता मिनती बरठाकुर , जीनू शर्मा, जिला आयुक्त करबी शइकीया करन को मंचासीन करवाया गया। इसके बाद व्याख्याता मिनती बरठाकुर को विशेष सम्बर्धना के रूप में फुलाम गामोछा, खराई, स्मृति चिह्न और अभिनंदन शील भेंट किया गया। इसके अतिथियों को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। सभा में मिनती बरठाकुर ने कैंसर की रोकथाम और जागरूकता के बारे में बहुत अच्छे से सारगर्भित विचार प्रकट की। साथ ही अपने जीवन में आए कैंसर रोग के चार अवस्थाओं के जंग से लड़कर किस प्रकार आगे बढ़ीं, इस पर अपनी बात रखी।साथ ही सभा में युवा पीढ़ी को मानसिक तनाव से दूर रखने की सलाह दी और देश के लिए कुछ कार्य करते रहने की प्रेरणा दी।इस मौके पर विश्वनाथ जिला आयुक्त करबी शइकीया करन, विश्वनाथ चारिआलि पौरसभा के पौरपति अमर ज्योति बरठाकुर, विश्वनाथ ऑफ कॉलेज एजुकेशन के प्राचार्या डॉ० ब्यूटी हाजरिका, चारू होमियो के डॉ. सरजीत दास ,मूर्च्छना के सचिव मरूत बरदलै, डॉ.दिगंत शर्मा और विश्वनाथ जिले के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

को कहि सकइ प्रयाग प्रभाऊः पंकज जी

लोकगीत एवं लोकनृत्य के साथ साथ भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने बांधी समां

करछना। क्षेत्र के रामपुर में चल रहे सात दिवसीय जमुनापार महोत्सव के छठे दिन कथा वाचकों ने प्रयागराज की महिमा का गुणगान किया तो वहीं कई विद्यालयों से आये गीत,नृत्य,भाषण की युवा प्रतिभाओं द्वारा उनकी शानदार प्रस्तुतियों ने भी खूब समां बांधी। मिर्जापुर से पधारे आचार्य पंकज जी महाराज ने,को कहि सकइ प्रयाग प्रभाऊ,जैसी मानस की पंक्तियां सुनाकर प्रयागराज को विश्व मानव मूल्य संसाधन केंद्र से ओतप्रोत बताया। स्वामी विनोदानन्द जी महाराज ने जनकपुर के परिदृश्य का अद्भुत वर्णन करते हुए धनुष यज्ञ प्रसंग की संगीतमयी कथा सुनाते हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने ने सीय राम मय सब जग जानी,करउं प्रनाम जोरि जुग पानी,की मरम पूर्ण व्याख्या करते हुए सभी भक्तगणों को भाव विभोर कर दिया। इसके पूर्व ज्ञान भारती इंटर कालेज नैनी, श्री कृष्ण इंटर कालेज अमिलो,छेदीलाल इ.का.जसरा,मदन मोहन मालवीय इंटर कालेज करछना,सर्वोदय शिक्षा सदन इंटर कालेज भीरपुर सहित कई विद्यालयों से महोत्सव में आमंत्रित गीत, नृत्य प्रतियोगिता के प्रतिभागियों ने घूमर,भवाई,डांडिया, भेड़िया जैसे लोकनृत्यों पर खूब समां बांधी। कजरी,सोहर,फाग,नेहछू गीत गाकर खूब तालियां बटोरी ।श्विकसित भारत के प्रति युवाओं का दायित्वश्श विषयक भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने शानदार प्रस्तुतियां दी ।मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य के.पी तिवारी और मनीष तिवारी ने सभी प्रतिभागियों सहित संगीत प्रशिक्षकों को मंच पर सम्मानित किया। संयोजक डॉ भगवत पाण्डेय ने सभी के प्रति स्वागत आभार व्यक्त किया ।प्रवक्ता जीतेन्द्र कुमार,मालती शर्मा और आरती शुक्ला निर्णायक मंडल में शामिल रहे ।संचालन डॉ केके त्रिपाठी ने किया। महोत्सव के छठे दिन अभिषेक तिवारी, श्रीराम त्रिपाठी, लवलेश सिंह,अमरेन्द्र, रमेश द्विवेदी,डॉ.दिनेश सोनी,प्रेमनारायण, हनुमान,शिवा,विशाल चौवे सहित कई श्रद्धालु श्रोता मौजूद रहे।

साहित्य गौरव सम्मान–26 से सम्मानित हुए डॉ. शंभुनाथ त्रिपाठी 'अंशुल'

साहित्यांजलि प्रभा की हुई मासिक बैठक, काव्य गोष्ठी में बही काव्य की रसधार

प्रयागराज,। पंडित शंकर नारायण मालवीय स्मृति सम्मान समारोह के अंतर्गत आयोजित सम्मान समारोह में अजय मालवीय के राजरूपपुर स्थित आवास पर प्रथम ष्साहित्य गौरव सम्मान–2026ष से डाक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल को सम्मानित किया गया और साहित्यांजलि प्रकाशन के बैनर तले एक बैठक और भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन भी हुआ।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि डाक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, अध्यक्ष शम्भूनाथ श्रीवास्तव ने माँ वीणापाणि के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके माल्यार्पण किया।



इस अवसर पर समारोह में साहित्य, संस्कृति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. शंभुनाथ त्रिपाठी 'अंशुल' जी को डॉक्टर अजय मालवीय द्वारा प्रथम ष्साहित्य गौरव सम्मान–2026ष से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ पंडित राकेश मालवीय मुस्कान की सरस्वती वंदना से हुआ।

इस अवसर पर साहित्यांजलि प्रभा के बाल संस्करण का विमोचन भी हुआ।

इस अवसर कार्यक्रम संयोजक डॉ. अजय मालवीय, महामंत्री पंडित राकेश मालवीय 'मुस्कान', डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय, डॉ. योगेंद्र कुमार मिश्र, शंभूनाथ श्रीवास्तव, डॉ. शंभुनाथ त्रिपाठी 'अंशुल', असलम आदिल, शरद श्रीवास्तव, डॉ. रामलखान चौरसिया, एच एन पाण्डेय अंजान तथा रामसुख यादव 'सफाया' ने गीत, दोहे एवं कविताओं के काव्य पाठ से श्रोताओं को भावविभोर किया।

कार्यक्रम का संचालन अजय मालवीय और पंडित राकेश मालवीय 'मुस्कान' ने किया।

प्रितेश बने स्टेट पैनल स्कोरर, जुड़वां भाई स्टेट पैनल अंपायर

प्रयागराज। प्रयागराज संगमनगरी के युवाओं ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की आधिकारिक परीक्षाओं में सफलता हासिल कर शहर का मान बढ़ाया है। दारागंज निवासी प्रितेश सोनकर जहां राज्य स्तरीय स्कोरर बन गए हैं, वहीं शहर के जुड़वां भाइयों कुशाग्र त्रिपाठी और यशाग्र त्रिपाठी ने राज्य स्तरीय अंपायरिंग परीक्षा उत्तीर्ण कर स्टेट पैनल अंपायर बनने का गौरव हासिल किया है।

ध्इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) के संयुक्त संयोजक (प्रबंधन) सोमेश्वर पांडेय ने बताया कि अगस्त माह में कानपुर में आयोजित यूपीसीए की राज्य स्तरीय स्कोरिंग परीक्षा में प्रितेश सोनकर ने सफलता प्राप्त कर स्टेट पैनल स्कोरर का दर्जा प्राप्त किया है। दारागंज निवासी प्रदीप सोनकर व सीमा सोनकर के पुत्र प्रितेश इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के डिस्ट्रिक्ट पैनल स्कोरर भी हैं और एसीए ने ही उनका नाम इस परीक्षा के लिए भेजा था।प्रितेश ने स्कोरिंग की बारीकियां बीसीसीआई स्कोरर अखिलेश त्रिपाठी से ही सीखी हैं। पूर्व आईसीसी अंपायर अनिल



चौधरी के निर्देशन एवं देखरेख में संपन्न हुई यूपीसीए की अंपायरिंग परीक्षा में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 97 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें से 14 ने सफलता प्राप्त की। वहीं, बीसीसीआई के एजुकेटर व बीसीसीआई अंपायर पी. जयपाल के निर्देशन एवं देखरेख में आयोजित स्कोरिंग परीक्षा में विभिन्न जनपदों के 33 स्कोरर शामिल हुए, जिनमें से मात्र 5 प्रतिभागी ही परीक्षा उत्तीर्ण कर सके।घ्जुड़वां भाइयों ने एकसाथ मारी बाजी

उधर,प्रयागराज के ही जुड़वां भाइयों कुशाग्र त्रिपाठी और यशाग्र त्रिपाठी ने यूपीसीए की अंपायरिंग परीक्षा में एकसाथ बाजी मारी है। चौधरी नौनिहाल सिंह क्रिकेट एकेडमी के सचिव सत्यव्रत सहाय ने बताया कि दोनों भाइयों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर यूपीसीए के स्टेट पैनल अंपायर बनने की उपलब्धि हासिल की है। घ्कुशाग्र और यशाग्र एकेडमी के कोच मोहम्मद आसिफ के क्रिकेट प्रशिक्षु हैं। दोनों दारागंज निवासी हाईकोर्ट में अधिवक्ता, बीसीसीआई स्कोरर एवं यूपी सीए के स्टेट पैनल अंपायर अखिलेश त्रिपाठी और रंजना त्रिपाठी के पुत्र हैं। दोनों भाइयों ने इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) पर गाजीपुर मंडल की ओर से इस परीक्षा में प्रतिभाग किया था।

घ्तीनों युवाओं की इस शानदार उपलब्धि पर इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन, खेल प्रेमियों और स्थानीय क्रिकेट एवं खेल जगत के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

चन्द्रबदनी परिसर प्राचार्य डॉ. महन्थ मौर्य की सेवानिवृत्ति पर आयोजित हुआ विदाई सम्मान समारोह

नैखरी (टिहरी गढ़वाल)। श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय चन्द्रबदनी परिसर नैखरी के परिसर निदेशक डॉ. महंथ मौर्य के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर परिसर परिवार की ओर से विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दिनांक 06 अक्टूबर,1961 को उत्तर प्रदेश के जनपद आजमगढ़ स्थित ग्राम कस्बा देवगांव में करन राम मौर्य के सुपुत्र के रूप में जन्म लिया।आपने ज्ञान,संस्कार,परिश्रम एवं कर्मनिष्ठा से शिक्षा–जगत् में विशिष्ट पहचान बनाई। आपने अपना जीवन ज्ञान, सेवा एवं कर्तव्यपरायणता को समर्पित किया। इन्होंने "कर्म ही पूजा,सेवा ही जीवन और समर्पण ही सच्ची सफलता है" के ध्येय वाक्यों को अपने हृदय में धारणकर जीवन संवारा है। आपकी जीवनसंगिनी श्रीमती परमीला देवी एवं सुपुत्र प्रवीण भी गौरवपूर्ण समारोह में उपस्थित रहीं।



आपकी सेवायात्रा वर्ष 1993 में गांधी विद्या संस्थान, राजघाट, वाराणसी में शोध अधिकारी के रूप में प्रारंभ हुई, जहाँ आपने वर्ष 1999 तक सेवाएँ दीं। दिनांक 17 जनवरी, 2000 को राजकीय महाविद्यालय,चौबट्टाखाल, पौड़ी गढ़वाल में भूगोल विषय के प्रवक्ता के रूप में कार्यभार ग्रहण कर आपने उत्तराखंड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी राजकीय सेवा यात्रा प्रारम्भ की। वर्ष 2012 में एसोसिएट प्रोफेसर पद को सुशोभित करने के पश्चात् दिनांक 24 सितंबर, 2017 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में कार्यभार ग्रहण किया। दिनांक 17 नवंबर, 2022 को राजकीय महाविद्यालय चंद्रबदनी (नैखरी), टिहरी गढ़वाल के प्राचार्य पद का दायित्व ग्रहण कर संस्थान के शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं संस्थागत विकास को नई दिशा प्रदान की। आपका संपूर्ण सेवाकाल शैक्षिक गुणवत्ता,अनुशासन, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं संस्थागत प्रगति के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण रहा है। शैक्षणिक अनुभव के साथ आधुनिक तकनीकी ज्ञान के साथ समर्पित शिक्षक, कुशल प्रशासक, दूरदर्शी शिक्षाविद् एवं कर्मयोगी के रूप में आपने शिक्षा के उद्देश्य सर्वांगीण विकास को सिद्ध किया है। विदाई समारोह का शुभारंभ मुख्यातिथि डॉ. महन्थ मौर्य, प्रभारी प्राचार्य डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल आदि सहित अन्य गणमान्य अतिथियो द्वारा संयुक्त रूप से माता समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने डॉ. मौर्य के दीर्घ शैक्षणिक सेवाकाल को स्मरण करते हुए उनके योगदान, कार्यशैली,प्रशासनिक अनुभव एवं संस्थान के प्रति समर्पण की सराहना की। प्रभारी प्राचार्य डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल ने संस्कृत एवं हिन्दी में लिखित प्रशस्ति पत्र एवं शाल आदि द्वारा अभिनन्दन किया। अन्त में उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन के साथ स्वस्थ,सुखद, शान्तिपूर्ण एवं मंगलमय सेवानिवृत्त जीवन की कामना की। उनके साथ कार्य करने वाले सहकर्मियों ने उनके साथ बिताए अनुभवों एवं स्मृतियों को साझा किया तथा उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

डॉ. मौर्य की 26 वर्षों की सरकारी सेवा यात्रा भी इसी समर्पण और अनुभव की परिचायक है। समारोह के अन्त में प्रभारी प्राचार्य,डॉ. गुरु प्रसाद थपलियाल,अनुपा फोनिया,डा. शाकिर शाह, पंकज पुण्डीर, वन्दना सिंह,सुरेश भट्ट,स्टाफ क्लब सचिव वेदनिधि गोनियाल,कोषाध्यक्ष पूजा सैलानी,मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मुकेश र तूडी,विजय बागडी, भुवनेश विष्ट सहित परिसर परिवार की ओर से डॉ. महंथ मौर्य को प्रशस्तिपत्र सम्मान एवं भेंट के साथ विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द राणा एवं मोहित उ प्रेती द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर सौम्या कब टियाल,प्रदीप चौधरी,पूनम गैरोला,डॉ. आशुतोष जंगवाण, योग प्रशिक्षक सरोज,दिनेश, उत्तम, अजय लिंगवाल,अखिलेश, सुनील, अनुज,संजना,लक्ष्मी एवं राजेश्वरी आदि समस्त परिसर परिवार उपस्थित रहा।

त्रिवेणी नगर में पार्षद ने किया बनेगी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ नगर निगम के त्रिवेणी नगर वार्ड में पार्षद देव शर्मा मिश्रा ने शिवपुरम, त्रिवेणी नगर तृतीय में सड़क पुनर्निर्माण कार्य शुरू कराया। सोमवार को एक्सिस बैंक एटीएम से बाईं ओर जाने वाले मार्ग पर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मंडलीय उपाध्यक्ष मनीष सिंह, प्रेम शंकर श्रीवास्तव, हरि शंकर श्रीवास्तव सहित क्षेत्र के कई निवासी मौजूद रहे। सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर स्थानीय लोगों ने खुशी जताई और पार्षद देव शर्मा मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त किया। लोगों ने उम्मीद जताई कि मार्ग का पुनर्निर्माण पूरा होने से आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय निवासियों ने विकास कार्य के लिए पार्षद का धन्यवाद किया।

चले जो अहं डगरिया

(छप्पय)

मत भूलो यह बात साधु नित सबसे कहते।
अहंकार के पैर पतन का कारण बनते।
रखना इसको याद चंचला लक्ष्मी रानी।
है बस मद की छाँव शेष सब समय कहानी।
गर्वित पग रुकते नहीं नई राह के चाह में।
आँख तरेरा वक्त ने खुशियाँ बदली आह में।।

तजकर विनय विवेक चले जो अहं डगरिया।
उन्हें सिखाता वक्त छीनकर भव्य नगरिया।
कंस असुर की सोच हुई थी पानी पानी।
द्वापर युग की सत्य आज भी कहे कहानी।
पैर बढ़े जब दंभ के छूटा सारा राज था।
मिटा धरातल से वही जिसे गर्व का ताज था।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कादंबरी सम्मान समारोह में हुई सम्मानित प्रयागराज की कवयित्री रचना सक्सेना

प्रयागराज। अखिल भारतीय साहित्यकार पत्रकार सम्मान कादम्बरी समारोह 2026 जबलपुर में 31 अक्टूबर को हुए एक



भव्य आयोजन में प्रयागराज की सुप्रसिद्ध कवयित्री रचना सक्सेना को उनके गजल संग्रह श्और मैं जिंदा रहीष्के लिए सम्मानित किया गया। उनकी अनुपस्थिति में उनका यह सम्मान उनकी प्रतिनिधि के रूप में उमा मिश्रा प्रीति नें ग्रहण किया। कादम्बरी संस्था के अध्यक्ष आचार्य भगवत दुबे एवं सचिव श्री राजेश पाठक प्रवीण के नेतृत्व में देश – विदेश से पधारे 129 रचनाकार और पत्रकार इस वृहत्तर सारस्वत सम्मान में सम्मानित किए गए।

रोता हुआ मिला आठ वषह्नय मासूम, पुलिस ने कुछ ही घंटों में परिवार से मिलाया

बच्चे को सुरक्षित पाकर छलके परिजनों के आंसू, मथुरा पुलिस की संवेदनशीलता की सराहना

मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घर से बिछड़े आठ वर्षीय मासूम बच्चे को सकुशल उसके परिजनों से मिला दिया। बच्चे के मिलने पर परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए और उन्होंने



पुलिस टीम का आभार जताया।

जानकारी के अनुसार, एक नवंबर की शाम करीब 7रू30 बजे कोतवाली क्षेत्र के लिंक रोड पर पीआरवी–112 को आठ वर्षीय बच्चा रोता हुआ मिला। बच्चा काफी डरा–सहमा था और अपने माता–पिता या घर का पता बताने में असमर्थ था। पीआरवी कर्मियों ने बच्चे को चौकी कृष्णा नगर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

चौकी प्रभारी संजीव कुमार और उनकी टीम ने पहले बच्चे को ढांढस बंधाया और पानी–बिस्कुट खिलाकर सहज किया। इसके बाद पुलिस ने बच्चे की तस्वीर सोशल मीडिया ग्रुप और आसपास के थानों में प्रसारित कर उसकी पहचान कराने के प्रयास शुरू किए। पुलिस के इस प्रयास से कुछ ही समय में बच्चे की पहचान गोविंद नगर थाना क्षेत्र के डीग गेट निवासी परिवार के रूप में हो गई। सूचना मिलने पर परिजन चौकी कृष्णा नगर पहुंचे, जहां पुलिस ने बच्चे को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया। अपने बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने मथुरा पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की।

इन पुलिसकर्मियों का रहा सराहनीय योगदान

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक संजीव कुमार (चौकी प्रभारी कृष्णा नगर), उपनिरीक्षक उदयवीर सिंह, कांस्टेबल धीरज कुमार, दीपक कुमार, धर्मेंद्र कुमार और मुकुल कुमार शामिल रहे।

अनुप्रिया पटेल फिर बनीं अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष, निर्विरोध हुआ चुनाव

लखनऊ,संवाददाता। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अनुप्रिया पटेल को एक बार फिर चुन लिया गया है। वह निर्विरोध पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुईं। इस तरह अनुप्रिया पटेल ने लगातार एक बार फिर पार्टी की कमान संभाल ली है। बता दें कि अनुप्रिया पटेल इस वक्त मोदी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री है। अनुप्रिया पटेल का जन्म 28 अप्रैल 1981 को कानपुर में हुआ था। उनके पिता डॉ. सोनेलाल पटेल अपना दल के संस्थापक थे और उत्तर प्रदेश में कुर्मी समाज के प्रमुख नेताओं में गिने जाते थे। पिता के निधन के बाद अक्टूबर 2009 में अनुप्रिया पटेल ने राजनीति में कदम रखा और धीरे–धीरे पार्टी में अपनी अलग पहचान बनाई। अनुप्रिया पटेल ने दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद एमिटी यूनिवर्सिटी से मनोविज्ञान में परास्नातक की डिग्री हासिल की। उन्होंने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय से एमबीए की पढ़ाई भी की है। उनके पति आशीष पटेल उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। अनुप्रिया पटेल वर्तमान में अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा में अपना दल (एस) भाजपा और समाजवादी पार्टी के बाद तीसरा सबसे बड़ा दल है।

सम्पादकीय.....

क्यों जरूरी है स्थानीय उत्पादों का इस्तेमाल करना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 139वां एपिसोड 25 अक्तूबर, 2026 को प्रसारित किया गया था। मोदी जी ने स्थानीय उत्पादों यानी कि स्वदेशी को बढ़ावा देने का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि बिहार के पूर्णिया का मखाना अब ग्रीस (यूनान) तक पहुंच रहा है। देश के कुल मखाना उत्पादन में बिहार के सीमांचल (पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज) की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत से अधिक है। अन्य निर्यात और उत्पादों को लेकर उन्होंने कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर (तुअर) दाल का मालदीव निर्यात होने तथा महाराष्ट्र के आदिवासी उत्पादों और खादी की बढ़ती लोकप्रियता का भी उल्लेख किया। उन्होंने युवाओं से कुटीर उद्योगों, स्थानीय कारीगरों और महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद खरीदने की अपील भी की है। स्थानीय उत्पादों के इस्तेमाल का सिद्धांत महात्मा गांधी जी के आर्थिक चिंतन का नतीजा है। आज देश के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, जिसके चलते मोदी जी को फिर इसके आह्वान की आवश्यकता हुई। गांधीवादी आत्मनिर्भरता के प्रमुख आधार जानना आम देश वासी के लिए जरूरी है। महात्मा गांधी जी के विचारों के अनुसार, व्यक्ति को अपनी दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं के लिए अपने निकटतम परिवेश और स्थानीय कारीगरों पर निर्भर रहना चाहिए। महात्मा गांधी जी का मानना था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। सच्चा स्वराज तभी मिल सकता है जब प्रत्येक गांव अपनी भोजन, वस्त्र और शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरतें स्वयं पूरी करने में सक्षम हो। बड़े और मशीनीकृत उद्योगों की बजाय, गांधीजी ने हस्तशिल्प, चरखा और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया, ताकि श्रम–प्रधान भारत में हर हाथ को काम और सम्मान मिल सके। बावजूद इसके, यह गांधीवादी सिद्धांत आज भी बहस का एक बिन्दू है, इनकी आवश्यकता और सार्थकता देश के लिए नकारी नहीं जा सकती। स्थानीय उत्पादों के उपयोग पर आधारित, गांधीवादी आत्मनिर्भरता के सिद्धांत का अंतिम लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि आध्थक विकास का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे सबसे गरीब और उपेक्षित व्यक्ति तक पहुंचे। यह सिद्धांत आज के वैश्विक संदर्भ में भी स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और सतत् विकास के लिए प्रासंगिक माना जाता है लेकिन हम इस सिद्धांत की श्रेष्ठता को क्यों नहीं मान रहे? मोदी जी ने 'मन की बात' के सम्बोधन में महातमा गांधी जी के ही दिल की बात यानी कि स्थानीय उत्पादों के इस्तेमाल की बात की है। यह निष्पक्ष और महत्वपूर्ण उद्घोष है। क्या यह सत्य नहीं कि स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं और हस्तशिल्प से ग्रामीण और कुटीर उद्योगों से जुड़े लाखों कारीगरों, बुनकरों व छोटे उद्यमियों को रोजगार मिलता है। देश में ही वस्तुओं के उत्पादन से विदेशी आयात घटता है और मुद्रा की बचत होती है। खादी, हस्तशिल्प और स्थानीय कृषि उत्पादों जैसी चीजों को प्राथमिकता मिलने से गांवों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। हाल ही में गांधी जयंती पर अकेले गांधी ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री 28 करोड़ रुपए से अधिक दर्ज की गई, जो लोगों में स्वदेशी के प्रति बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। इसी तरह सभी स्थानीय उत्पादों के लिए और गति देने की जरूरत है। स्थानीय उत्पादों को चुनना सिर्फ खरीदारी नहीं, बल्कि यह देश के विकास और आत्मनिर्भरता में प्रत्येक नागरिक की सीधी भागीदारी है। इस बात को शिक्षा संस्थानों के जरिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। क्यों न हम रोजमर्रा की खरीदारी में बड़े ब्रांड्स की बजाय स्थानीय दुकानदारों, साप्ताहिक बाजारों या कारीगरों से सामान खरीदें। दीवाली या अन्य अवसरों पर स्थानीय दीये, हस्तनिर्मित सजावट का सामान और स्वदेशी उपहार चुनें। इससे देश के अनेक गरीबों की आय में वृद्धि होगी। स्थानीय उत्पादों का इस्तेमाल करने से न केवल देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, बल्कि स्थानीय कारीगरों और पर्यावरण को भी लाभ मिलता है। निहित है कि हम सभी स्थानीय उत्पादों के इस्तेमाल पर देश के आर्थिक हित में फिर से मजबूत पहल करें और समाज को दिशा देने वाले इस कार्य में रोल मॉडल का काम करें। इससे हम टैरिफ जैसे अमरीकी आर्थिक कूटनीति के हथियारों का मुकाबला भी कर सकते हैं।

शैक्षिक सशक्तिकरण, पहुंच और अवसरों के विस्तार के १२ वर्ष

बी.एल. वर्मा

वित्तीय वर्ष 2014–15 से 2025–26 के बीच, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने छात्रवृत्तियों, कोचिंग सहायता, विदेशों में शिक्षा के लिए सहयोग और शोध फैलोशिप के जरिए इन उद्देश्यों को पूरा करने का प्रयास किया है।

सामाजिक सशक्तिकरण के लिए शिक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समुदायों के छात्रों के लिए वित्तीय सहायता उनकी स्कूली शिक्षा जारी रखने, उच्च शिक्षा के लिए अवसर मुहैया कराने और अनुसंधान तथा पेशेवर करियर में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में मददगार साबित हो सकती है। वित्तीय वर्ष 2014–15 से 2025–26 के बीच, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने छात्रवृत्तियों, कोचिंग सहायता, विदेशों में शिक्षा के लिए सहयोग और शोध फैलोशिप के जरिए इन उद्देश्यों को पूरा करने का प्रयास किया है। विभाग का दृष्टिकोण वित्तीय बाधाओं को कम करने और शिक्षा के निरंतर विस्तार को मजबूत करने पर आधारित है। इसके प्रयासों का उद्देश्य अनुसूचित जातियों (एस.सी.), अन्य पिछड़ा वर्गों (ओ.बी.सी.), आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ई.बी.सी.) तथा डीनोटिफाई, घुमंतू और अर्ध–घुमंतू जनजातियों (डी.एन.टी.) के लिए अवसरों तक पहुंच को बेहतर बनाना है। इसके अलावा वित्तीय सहायता के साथ–साथ, छात्रवृत्ति प्रशासन में किए गए सुधारों के तहत पारदर्शिता, लाभार्थियों के सत्यापन और सहायता के सीधे वितरण पर भी खासा जोर दिया गया है। स्कूली वर्षों से ही शिक्षा पर जोर रू अनुसूचित जातियों व अन्य वर्गों के लिए प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना शुरुआती स्तर पर शिक्षा में मददगार साबित होती है। केंद्र प्रायोजित इस योजना का उद्देश्य साक्षरता को बढ़ावा देना, स्कूल छोडने की दर को कम करना और अनुसूचित जाति के बच्चों तथा ऐसे बच्चों की स्कूली शिक्षा को निरंतर बनाए रखना है, जिनके माता–पिता या अभिभावक अस्वच्छ और खतरनाक व्यवसायों में लगे हुए हैं। वित्त वर्ष 2014–15 से 2025–26 के दौरान, इस योजना के तहत 4,893 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता जारी की गई, जिससे इस पूरी अवधि में लगभग 3 करोड़ लोगों को लाभ मिला। केवल वित्त वर्ष 2025–26 में ही 562 करोड़ रुपए जारी किए गए, जिससे लगभग 27 लाख छात्रों को लाभ मिला। पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति के छात्रों को स्कूली शिक्षा के बाद भी सहायता दी जाती है। इस प्रमुख योजना का उद्देश्य उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना, छात्रों को पढ़ाई जारी रखने में मदद करना और उच्च शिक्षा में एस.सी. छात्रों की भागीदारी को बढ़ाना है। वित्त वर्ष 2014–15 से 2025–26 के दौरान, इस योजना के तहत 46,581 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता दी गई, जिससे लगभग 6.13 करोड़ छात्रों को लाभ मिला। वित्त वर्ष 2025–26 में, इस योजना ने 47.53 लाख छात्रों को सहायता प्रदान की।हस्तांतरण (डी.बी.टी.) प्रणाली लागू की गई। इस व्यवस्था के तहत, छात्रवृत्ति की राशि सीधे लाभार्थियों के आधार लिंक्ड बैंक खातों में भेजी जाती है। इस सुधार का मकसद जवाबदेही बढ़ाना, देरी और धन के दुरुपयोग को कम करना तथा छात्रों तक सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना है। डिजिटल सत्यापन इस ढांचे का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। डी–डुप्लीकेशन प्रक्रियाएं फर्जी या डुप्लीकेट लाभाध्ययों की पहचान करने में मदद करती हैं, जबकि बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण और इलैक्ट्रॉनिक 'नो योर कस्टमर' सत्यापन पहचान की जांच को और मजबूत बनाते हैं। डिजीलॉकर और ए.पी.आई. सेतु के साथ एकीकरण, प्रमाणपत्रों और दस्तावेजों के डिजिटल सत्यापन में सहायता करता है। वन–टाइम रजिस्ट्रेशन यानी एक बार पंजीकरण की सुविधा से विभिन्न योजनाओं और शैक्षणिक वर्षों के दौरान लाभार्थियों को ट्रैक करना संभव हो जाता है। शैक्षिक डाटाबेस के साथ जुड़ाव से संस्थानों और छात्रों के रिकॉर्ड की पुष्टि करने में मदद मिलती है, जबकि यू.आई.डी.ए.आई., एन.पी.सी.आई. और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पी.एफ.एम.एस.) के साथ जुड़ाव भुगतान प्रक्रिया को सरल बनाता है। ये सभी उपाय मिलकर उन प्रशासनिक प्रणालियों को मजबूत करते हैं, जिनके जरिए पात्र छात्रों तक छात्रवृत्ति सहायता पहुंचती है। उच्च शिक्षा और शोध के लिए नए मार्ग रू प्री–मैट्रिक और पोस्ट–मैट्रिक सहायता के अलावा, स्कॉलरशिप्स फॉर हायर एजुकेशन फॉर यंग अचीवर्स या श्रेयस योजना, कोचिंग, प्रतिष्ठित संस्थानों, विदेश में पढ़ाई और अनुसंधान के अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करने में मदद करती है। एस.सी. और ओ.बी.सी. छात्रों के लिए मुफ्त कोचिंग योजना, प्रतियोगी और पेशेवर परीक्षाओं की तैयारी कर रहे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को अच्छी कोचिंग के लिए वित्तीय मदद प्रदान करती है। वित्त वर्ष 2025–26 में, 9.87 करोड़ रुपए खर्च करके 854 लाभार्थियों की मदद की गई। दरअसल इस सहायता का मकसद उन आध्थक बाधाओं को कम करना है, जिनका सामना छात्र शैक्षणिक और पेशेवर अवसरों की तैयारी के दौरान करते हैं। एस.सी. छात्रों के लिए टॉप क्लास एजुकेशन स्कीम देश भर के प्रमुख संस्थानों में पढ़ाई कर रहे मेधावी छात्रों को मदद करती है। इस योजना के तहत खर्च वित्त वर्ष 2014–15 के 19 करोड़ रुपए से लगभग 6 गुना बढ़कर, वित्त वर्ष 2025–26 में 117 करोड़ रुपए हो गया। इसी अवधि के दौरान, सालाना लाभार्थियों की संख्या 1,568 से बढ़कर 4,742 हो गई, जो उच्च गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा तक पहुंच के लिए बढ़ते प्रयासों।

विदेशी तकनीक पर राष्ट्रीय निर्भरता और संप्रभुता पर इसके निहितार्थ

मनीष तिवारी

यूक्रेन में स्टारशील्ड टर्मिनलों पर एलन मस्क की स्पेसएक्स द्वारा लगाई गई गति सीमा, प्रत्यक्ष रूप से देखने पर भले ही एक तकनीकी मापदंड लग सकती है लेकिन व्यवहार में यह एक निर्णायक परिणाम वाला कदम था। यूक्रेनी ड्रोन ऑप्रेटर, वे लोग जिन्होंने केवल अपनी चतुराई और स्टारलिंक टर्मिनलों के सहारे रूसी सेना को पीछे धकेलने में महीनों बिताए थे, ने अचानक पाया कि जैसे ही उनकी मशीनों की गति लगभग 160 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक होती, उनका संपर्क टूट जाता था। एक वरिष्ठ यूक्रेनी कमांडर ने बताया कि इन प्रतिबंधों के कारण उनकी यूनिट को 10 लाख डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ और अभियानों में 3 दिनों की देरी हुई। 'फ्लिंट' कॉल साइन से जाने जाने वाले एक कमांडर ने बताया कि गति पकड़ते ही एक ड्रोन का संपर्क 'पलक झपकते ही' टूट गया, वह जमीन पर गिर गया और उसका मिशन रद्द हो गया, जिससे उसकी तकनीक दुश्मनों के हाथों में पडने का जोखिम पैदा हो गया। एक ही कंपनी, जो एक ही व्यक्ति द्वारा नियंत्रित थी और जिसके फैसले किसी महाशक्ति के रणनीतिक रुख से अभिन्न हो चुके थे, द्वारा समर्थन की इस प्रत्यक्ष वापसी पर फ्लिट ने कहा, ''यह पीठ में छुरा घोंपने जैसा है।'' स्टारलिंक गति सीमा एक चेतावनी भरा संकेत थी। इसने दिखा दिया कि एक निजी कंपनी किसी सशस्त्र संघर्ष के बीच एक संप्रभु राज्य की सैन्य क्षमता को कमजोर कर सकती है और उस राज्य के पास सिर्फ याचना करने, तात्कालिक उपाय खोजने और मालिक के मिजाज बदलने का इंतजार करने के अलावा



कोई विकल्प नहीं बचता। रणनीतिक अभियानों में ऐसी भेद्यता विदेशी कॉरपोरेट घरानों पर राज्य की निर्भरता का परिणाम है। यही भेद्यता सूचना के क्षेत्र में भी मौजूद है, जहां राजनीतिक आंदोलनों को बढ़ाने या दबाने के लिए एल्गोरिदम को हथियार बनाया जा सकता है और आध्थक क्षेत्र में भी, जहां क्लाऊड कम्प्यूटिंग और ए.आई. पर नियंत्रण यह तय कर सकता है कि कौन से देश प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और कौन से नहीं। विदेशी स्वामित्व वाले क्लाऊड इन्फ्रास्ट्रक्चर, विदेशी उपग्रह समूहों, विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों या विदेशी ए.आई. मॉडलों पर निर्भर रहने वाली सरकारें अपने स्वयं के निर्णय लेने में पूरी तरह स्वतंत्र नहीं हैं। किसी ऐसे निजी पक्ष द्वारा, जिसके हित उनके हितों के अनुकूल हो भी सकते हैं और नहीं भी, उनकी गति को धीमा किया जा सकता है, उन्हें पूरी तरह बंद किया जा सकता है, या एल्गोरिदम के जरिए नुकसान पहुंचाया जा सकता है। दुनिया के 10 सबसे अमीर लोगों में से 7 अब तकनीकी ओलिगार्क (कुलीन) हैं और उनकी कुल संपत्ति अमरीकी जी.डी.पी. के लगभग 8 प्रतिशत के बराबर है। वे उस डिजिटल बुनियादी ढांचे को नियंत्रित करते हैं, जिस पर लोग, सरकारें और अर्थव्यवस्थाएं निर्भर हैं। किसी राज्य के पूरे तकनीकी नैटवर्क को किसी ऐसे अरबपति द्वारा बाधित किया जा सकता है, जिसकी कोई निजी शिकायत या राजनीतिक प्राथमिकता हो। टैक ओलिगार्क अपने स्वयं के निर्णय या अपनी गृह सरकार के निर्णय से ऊपर किसी भी सत्ता की वैधता को स्वीकार नहीं करता और उसके पास वैश्विक स्तर पर उस निर्णय के अनुसार कार्य करने के लिए बुनियादी ढांचा मौजूद है। इस संलिप्तता का ऐतिहासिक रिकॉर्ड छिपा हुआ नहीं है। जून, 2009 में, जब विवादित चुनाव परिणामों के बाद तेहरान की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन फैल गए और नेदा आगा–सोल्तान की गोली लगने की घटना राज्य की हिंसा के प्रतीक के रूप में प्रसारित हुई, तब ट्विटर एक मेंटेनैंस की योजना बना रहा था, जिससे सेवा ईरानी दिन के समय बंद हो जाती। अमरीकी विदेश विभाग के अधिकारियों ने कंपनी से संपर्क किया और इसे पुनघ्नर्धारित करने का अनुरोध किया। ट्विटर ने रखरखाव को आधी रात तक के लिए टाल दिया और कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि यह देरी इसलिए की गई क्योंकि 'ट्विटर वर्तमान में ईरान में एक महत्वपूर्ण संचार साधन के रूप में भूमिका निभा रहा है'। यह सिलसिला अरब स्प्रिंग के दौरान और अधिक परिष्कार के साथ दोहराया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को कार्यकर्त्ताओं को उनके उपयोग में प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किए गए अमरीकी कार्यक्रमों द्वारा सक्रिय रूप से आकार दिया गया। 2010 में शुरू की गई विदेश विभाग की टैककैंप पहल यूक्रेन जैसे देशों में प्रौद्योगिकीविदों, नागरिक समाज संगठनों और पत्रकारों को एक साथ लाई, जिसने डिजिटल साक्षरता, फैक्ट–चौकिंग और राजनीतिक संगठन के लिए प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में प्रशिक्षण प्रदान किया। बंगलादेश में, अमरीकी दूतावास ने 'पत्रकारों को सशक्त बनाना, सत्य सुनिश्चित करना' विषय पर आयोजित टैककैंप में प्रशिक्षित युवा पत्रकारों को अनुदान दिया, जिससे गलत सूचनाओं से निपटने और मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं को वित्तपोषित किया गया।

ग़ज़ल

सजा है नूर चेहरे पर भला अब क्यों संवरना है,
हुआ घायल है तन्हा दिल मुसलसल आहें भरना है।

झरोखे तेरी आंखों के ये चुपके से बुलाती है, मुझे तो खुल के तेरे दिल के शीशे में उतरना है।

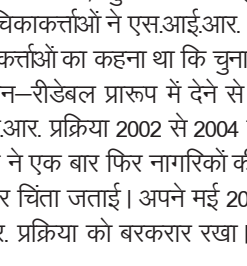
किनारा कर लिया मैंने जमाने भर के वहशत से,
मुहब्बत से तेरी संवरी, ही बाहों में बिखरना है।

हजारों आशिकों के इश्क की फेहरिस्त है लंबी,
वो डूबे इश्क में मुझको तो उल्फत में उबरना है।

सलीका आ गया उसको मोहब्बत ने चुना जिसको ,
इबारत पढ के तेरी आंखों की, मुझको निखरना है ।

ये छाई इश्क की मस्ती, मोहब्बत कर लिया मैंने,
यहां चाहत की बारिश है वहां चाहत का झरना है ।

मोहब्बत आग है इसको लगा सकता हूं सीने से,
मगर दामन तेरा जल जाए ना श्रविश इससे डरना है।



अभिषेक केसरवानी 'रवि'

कांग्रेस 'मशीन–रीडेबल वोटर लिस्ट' पर क्यों जोर दे रही है?

ऋषिका सिंह

भारत निर्वाचन आयोग (ई.सी.आई.) ने गत सप्ताह 'विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण' (स्पैशल समरी रिवीजन या एस.एस.आर.) के तहत मतदाता सूचियों के एक और पुनरीक्षण के लिए एक निर्देश जारी किया। इस प्रक्रिया में नए पात्र मतदाताओं को जोडना और उन लोगों के नाम हटाना शामिल है, जिनकी मृत्यु हो चुकी है या जो स्थानांतरित हो चुके हैं। यह प्रक्रिया 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एस.आई.आर.) प्रक्रिया से इस मायने में भिन्न है कि इसमें मौजूदा मतदाताओं के नाम स्वतरू ही नई सूचियों में शामिल हो जाते हैं। कांग्रेस पार्टी ने राजनीतिक दलों को प्रारूप (ड्राफ्ट) और अंतिम सूचियों की प्रतियां पठनीय (रीडेबल) पी.डी.एफ. प्रारूप में उपलब्ध कराने से जुड़े निर्देश के एक हिस्से को रेखांकित किया। पार्टी ने कहा, ''राहुल गांधी जी लगातार 'मशीन–रीडेबल' डिजिटल वोटर लिस्ट की मांग कर रहे थे, ताकि वोटर लिस्ट में होने वाली छेड़छाड़ को पकड़ा जा सके।'' पार्टी ने आगे जोड़ा कि अब चुनाव आयोग को 'हार माननी पड़ी है।''मशीन–रीडेबल' का क्या अर्थ है रू लिखित पाठ (टैक्स्ट) को डिजिटल प्रारूप में बदलने के लिए पहले मैनुअल डाटा एंट्री करनी पड़ती थी। इस श्रमसाध्य प्रक्रिया की जगह बाद में 'ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन' (ओ.सी.आर.) नामक तकनीक ने ले ली। यह तकनीक मशीनों को भारी मात्रा में डाटा पर प्रशिक्षित करके अक्षरों की पहचान करने में सक्षम बनाती है। यहां वोटर लिस्ट को मशीन–रीडेबल बनाने से मतदाताओं के नाम और विवरण खोजना आसान हो जाता है। वर्तमान में, ये सूचियां 'इमेज पी.डी.एफ.' के रूप में उपलब्ध हैं, जहां मतदाता सूचियों की फोटो स्कैन करके अपलोड की जाती हैं। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि चुनाव आयोग का यह नया निर्देश किसी बदलाव का संकेत देता है या नहीं। चुनाव आयोग के निर्देश में कहा गया कि ''ई.आर.ओ. (निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी) प्रारूप और अंतिम प्रकाशन के तुरंत बाद, प्रत्येक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को मतदाता सूची के



प्रत्येक अलग मतदान केंद्र की 2 प्रतियां (एक हार्ड कॉपी और एक रीडेबल पी.डी.एफ. प्रारूप में सॉफ्ट कॉपी) निःशुल्क उपलब्ध कराएगा।'' इसमें आगे कहा गया कि यह निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के तहत है। ये नियम अनिवार्य करते हैं कि ई.आर.ओ. मतदाता सूची के प्रत्येक भाग की प्रतियां 'प्रत्येक ऐसे राजनीतिक दल को उपलब्ध कराएगा, जिसके लिए चुनाव आयोग द्वारा राज्य में विशेष रूप से एक चुनाव चिन्ह आरक्षित किया गया हो।'कांग्रेस का तर्क पार्टी हाल के दिनों में लगातार मतदाता सूचियों को मशीन–रीडेबल बनाने की मांग करती रही है। वर्ष 2025 में, राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि बेंगलुरु सैंट्रल लोकसभा क्षेत्र के एक हिस्से में मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़े गए थे। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने अंग्रेजी के एक समाचार पत्र में लिखा था, ''पूरे देश की मतदाता सूचियों का ऑडिट करने का एकमात्र तरीका इस प्रक्रिया को स्वचालित (ऑटोमेट) करना है...। हमें सभी निर्वाचन क्षेत्रों की डिजिटल 'मशीन–रीडेबल' मतदाता सूचियों की आवश्यकता होगी।'' वर्ष 2018 में, कांग्रेस नेता कमलनाथ और सचिन पायलट चुनावों से संबंधित इन और अन्य प्रक्रियात्मक मुद्दों को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। पीठ ने याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि जिस प्रारूप में प्रारूप मतदाता सूची उपलब्ध कराई जाती है, वह चुनाव नियमावली (इलैक्शन मैनुअल), 2016 की आवश्यकता को पूरा करती है। नियमावली कहती है कि प्रारूप सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वैबसाइट पर 'टैक्स्ट मोड में डाली जाएगी और मतदाता के विवरण के आगे कोई तस्वीर नहीं दिखाई देगी।' चुनाव आयोग ने कहा कि उसने 'मतदाताओं की गोपनीयता के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए, जानबूझकर स्कैनेबल टैक्स्ट मोड में मतदाता सूचियों की प्रतियां उपलब्ध नहीं कराईं। अदालत ने निष्कर्ष निकाला, ''नियम में कहीं भी यह नहीं कहा गया है कि प्रारूप मतदाता सूची को मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वैबसाइट पर 'सर्च करने योग्य पी.डी.एफ' में डाला जाना अनिवार्य है।'' वर्ष 2025 में, सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर फिर से विचार किया, जब याचिकाकर्त्ताओं ने एस.आई.आर. प्रक्रिया की वैधता को चुनौती दी। याचिकाकर्त्ताओं का कहना था कि चुनाव आयोग 2003 की मतदाता सूची को मशीन–रीडेबल प्रारूप में देने से इंकार कर रहा था (पिछली बार एस.आई.आर. प्रक्रिया 2002 से 2004 के दौरान आयोजित की गई थी)। अदालत ने एक बार फिर नागरिकों की गोपनीयता और 'डाटा माइनिंग' को लेकर चिंता जताई। अपने मई 2026 के फैसले में, अदालत ने एस.आई.आर. प्रक्रिया को बरकरार रखा।

कोर्ट को हल्के में न लें... 200 करोड़ के वसूली केस में नोरा फतेही को फटकार, फिर जारी हुई समन





> बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में अभियोजन पक्ष की गवाह के तौर पर पेश होने के लिए समन भेजा गया है। यह मामला २०० करोड़ रुपये की वसूली से जुड़ा है, जिसमें कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर आरोपी है।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को नोरा फतेही को अभियोजन पक्ष की गवाह के तौर पर साक्ष्य देने के लिए नया समन जारी किया। वह सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े एक वसूली मामले में गवाह हैं। विशेष न्यायाधीश गगनदीप सिंह ने नोरा फतेही को नया समन जारी किया। कोर्ट ने उन्हें 6 नवंबर को पेश होने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान, दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया कि नोरा फतेही को समन भेजा गया था, लेकिन उनके पास इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि वह आ रही हैं या नहीं। उनकी ओर से वकील पेश हुए और छूट (हाजिरी से) के लिए एक अर्जी लगाई। कोर्ट ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि वह एक गवाह हैं और उन्हें यहां मौजूद होना चाहिए था। कोर्ट ने कहा, ष्उनका बर्ताव ठीक नहीं है। कोर्ट को हल्के में न लें। कोर्ट ने वकील से पूछा कि उन्हें कब समन भेजा गया था। वकील ने जवाब दिया कि उन्हें 29 अक्टूबर को सूचित किया गया था। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में अभियोजन पक्ष की गवाह के तौर पर पेश होने के लिए समन भेजा गया है। यह मामला 200 करोड़ रुपये की वसूली से जुड़ा है, जिसमें कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर आरोपी है। आरोप है कि दिल्ली की रोहिणी जेल में बंद रहने के दौरान, चंद्रशेखर ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का रूप धारण किया और 2020–21 के बीच पूर्व रैनबैक्सी प्रमोटर शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह से लगभग 200 करोड़ रुपये की वसूली की। उसने कथित तौर पर पैसे के बदले उनके पति को जेल से बाहर निकलवाने का वादा किया था। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लयू) ने इस कथित वसूली मामले की जांच की और महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) के तहत एक चार्जशीट दायर की गई है। इससे पहले, चंद्रशेखर और उनकी पत्नी लीना मारिया पॉलोस के साथ कथित संबंधों के सिलसिले में ईओडब्लयू ने फतेही से पूछताछ की थी। पुलिस ने सीआरपरसी की धारा 164 के तहत उनका बयान दर्ज किया था और बाद में उन्हें सप्लीमेंट्री चार्जशीट में अभियोजन पक्ष का गवाह बनाया। अभिनेत्री ने जांचकर्ताओं को बताया था कि चंद्रशेखर के साथ उनकी बातचीत उनकी पत्नी के जरिए होती थी। उनसे दिसंबर 2020 में चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के बारे में भी पूछताछ की गई थी।



फायरिंग के बाद पहली बार सामने आने वाले थे टाइगर श्रॉफ ? बुक लांच में शामिल होने की खबरों पर प्रवक्ता ने बताई सच्चाई

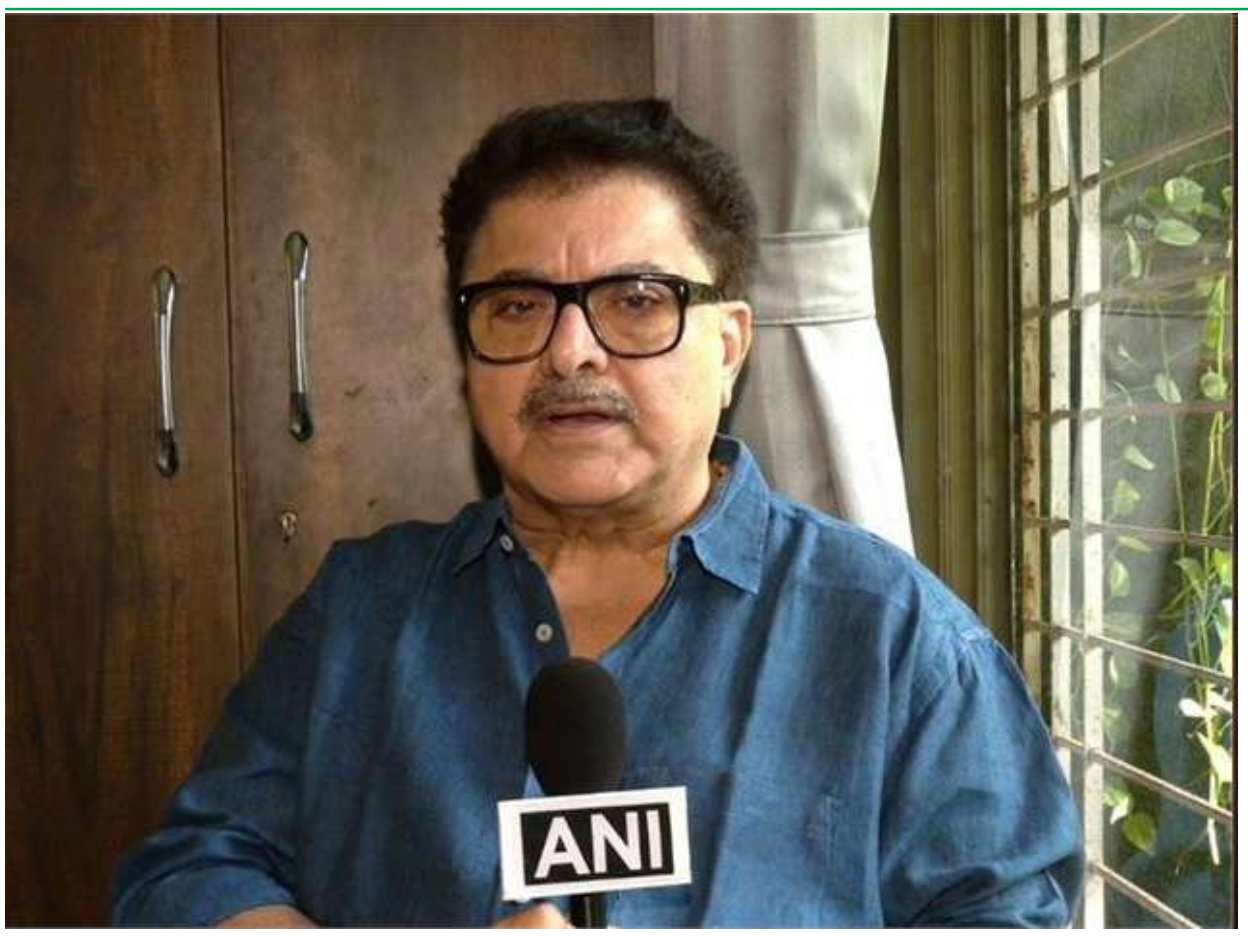
अभिनेता टाइगर श्रॉफ के प्रवक्ता ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि अभिनेता 3 नवंबर को मुंबई में एक बुक लॉन्च इवेंट के जरिए हमले के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आएंगे। खबरों के अनुसार, बागी अभिनेता के, अभिनेत्री और वेलनेस लेखिका क्लाउडिया सिएस्ला की किताब बियॉन्ड वेट लॉस ईटिंग, हीलिंग एंड एजिंग विद क्लाउडियाज कॉन्सेप्ट के लॉन्च पर पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आने की उम्मीद थी। यह कार्यक्रम 3 नवंबर को मुंबई के एक होटल में आयोजित होने वाला है। हालांकि, संपर्क करने पर टाइगर के प्रवक्ता ने इन दावों का खंडन किया और खबरों को बेबुनियाद बताया। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया, 3 नवंबर को होने वाले बुक लॉन्च में टाइगर श्रॉफ के सार्वजनिक रूप से शामिल होने की खबरें पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। इनमें कोई सच्चाई नहीं है। यह स्पष्टीकरण अभिनेता के हमले के बाद सार्वजनिक रूप से फिर से सामने आने को लेकर चल रही अटकलों के बीच आया है। माना जा रहा था कि इस कार्यक्रम के जरिए अभिनेता फायरिंग की घटना के बाद अपने काम से लिए गए ब्रेक के बाद फिर से सार्वजनिक गतिविधियों में वापसी करेंगे। फायरिंग की घटना के बाद से ही टाइगर ने खुद को लोगों की नजरों से दूर रखा है और वे किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम या मीडिया के सामने नहीं आए हैं। इस घटना के बाद से अभिनेता ने सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखी है। पिछले महीने, 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में पुष्पा नरसी पार्क के पास एक फुटबॉल क्लब के बाहर फायरिंग की घटना हुई थी। टाइगर इस घटना में बाल–बाल बच गए, जबकि उनके ड्राइवर और एक ऑटो–रिक्शा चालक घायल हो गए थे। खबरों के अनुसार, फायरिंग में शामिल तीन संदिग्धों को राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर, राजस्थान एंटी–गैंगस्टर टास्क फोर्स और कोटा सिटी पुलिस की एक संयुक्त टीम ने इन्हें पकड़ा। गिरफ्तार किए गए लोगों में से दो हरियाणा के हैं, जबकि तीसरा बिहार का रहने वाला है। इन तीनों के लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े होने का संदेह है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फायरिंग करने के लिए कथित तौर पर दो लोगों को काम पर रखा गया था, जबकि तीसरे व्यक्ति पर घटना के बाद उन्हें भागने में मदद करने का संदेह है।

'रामायणम' में रवि दुबे बने लक्ष्मण, नए पोस्टर में दिखा वीर योद्धा का दमदार अंदाज



नमित मल्होत्रा की आगामी फिल्म 'रामायणम' से लक्ष्मण के किरदार में रवि दुबे का नया पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। इस पोस्टर में अभिनेता एक वीर योद्धा के रूप में नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में धनुष–बाण और चेहरे पर साहस, दृढ़ संकल्प और युद्ध के लिए तैयार रहने का भाव दिखाई दे रहा है। पोस्टर के जरिए मेकर्स ने भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण के शौर्य, समर्पण और अपने भाई के प्रति अटूट भक्ति की झलक पेश की है। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर रवि दुबे का सोलो कैरेक्टर पोस्टर शेयर करते हुए उन्हें लक्ष्मण के रूप में पेश किया। पोस्टर के साथ लिखा गया, ष्एक समर्पित भाई। एक निडर योद्धा। राम की ढाल। रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में। पोस्टर में उनका योद्धा अवतार रणबीर कपूर के राम के रूप में सामने आए पोस्टर की याद दिलाता है। दोनों किरदारों के बीच भाईचारे और भावनात्मक जुड़ाव की झलक भी इसमें महसूस की जा सकती है। लक्ष्मण की भूमिका निभाने को लेकर रवि दुबे ने कहा, लक्ष्मण का किरदार निभाना एक ऐसा एहसास है, जिसे शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। वह ताकत, साहस, भक्ति और निस्वार्थ भावना का अनोखा मेल हैं। भगवान राम के प्रति उनका अटूट प्रेम और उनके आदर्शों के लिए समर्पण हमेशा से मुझे प्रेरित करता रहा है। ऐसे पूजनीय किरदार को पर्दे पर निभाने का मौका मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है, साथ ही यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है, जो मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार को निभाने में हमारी सच्चाई और भावनाओं को महसूस कर पाएंगे। 'रामायणम' में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। भारतीय महाकाव्य रामायण पर आधारित इस फिल्म को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के किरदारों के पोस्टर सामने आने के साथ ही दर्शकों के बीच इसके प्रति उत्सुकता बढ़ रही है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायणम' का निर्माण नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर किया है। फिल्म का पहला भाग 5 नवंबर 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होगा। इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है। फिल्म आईमैक्स फॉर्मेट में भी आएगी। इसके गाने टी–सीरीज के लेबल के तहत रिलीज किए जाएंगे।

दिवाली पर पटाखे न जलाने की अपील से भड़के फिल्म निर्माता अशोक पंडित, नगर निगम से पूछा- ईद-क्रिसमस पर क्यों नहीं देते ऐसी नसीहत ?



फिल्म निर्माता और सामाजिक कार्यकर्ता अशोक पंडित ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीमसी) के उस जागरूकता अभियान की कड़ी आलोचना की है, जिसमें नागरिकों से दिवाली पर पटाखे न जलाने की अपील की गई है। फिल्म निर्माता ने सवाल उठाया कि नगर निकाय ईद और क्रिसमस जैसे अन्य धार्मिक त्योहारों के दौरान ऐसी अपील क्यों नहीं जारी करता ? बीमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े को संबोधित एक कड़े वीडियो संदेश में, अशोक ने नगर निकाय पर आरोप लगाया कि हिंदू त्योहार मनाने के बारे में लोगों को जागरूक करने के नाम पर, वे केवल मशहूर हस्तियों (सेलिब्रिटीज) और ग्लैमर पर ही ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। वीडियो में अशोक ने कहा, माननीय नगर आयुक्त अश्विनी भिड़े जी, हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि दिवाली कैसे मनानी है। हमें पर्यावरण बचाने के बारे में भी आपसे कोई सीख लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने सवाल किया, आप लोग ग्लैमर के इतने दीवाने हो गए हैं कि आपने हमारी इंडस्ट्री की मशहूर हस्तियों का इस्तेमाल किया और उनसे पर्यावरण बचाने पर लेक्चर देने को कहा। आप ग्लैमर के इतने दीवाने क्यों हो गए हैं ? हमारे त्योहारों पर लेक्चर देने वाले आप होते कौन हैं ? उन्होंने आगे कहा, मैंने कभी आपको ईद या क्रिसमस के मौके पर कुछ कहते नहीं सुना। क्या किसी भी धार्मिक त्योहार पर बीमसी कभी इतनी सक्रिय रही है कि वह बताए कि ईद कैसे मनानी चाहिए, सड़कों पर बकरियों की कुर्बानी नहीं देनी चाहिए, या खून–खराबा नहीं करना चाहिए? मैंने बीमसी के हैंडल पर ऐसा कभी नहीं देखा। मैंने कभी आपको क्रिसमस पर पटाखे फोड़ने से मना करते नहीं देखा। हमारी इंडस्ट्री के ये लोग हमेशा हमारे हिंदू त्योहारों पर ही लेक्चर क्यों देते हैं? मुझे सच में हैरानी हो रही है। बीमसी इन सब फालतू बातों में क्यों पड़ रही है ? आप अवैध बस्तियों को नहीं हटाते। आकर देखिए कि गोरेगांव से मलाड तक लेक रोड का क्या हाल है, वहां क्या–क्या बना हुआ है। नेता लोग जननवी (एक धार्मिक आयोजन) मना रहे हैं, उसे तो आप नहीं हटाते। आप सड़कें नहीं बनाते, नालियां नहीं बनाते, साफ पानी नहीं देते। और अब आप हमें लेक्चर दे रहे हैं कि दिवाली कैसे मनानी चाहिए! अपनी प्राथमिकताएं तो ठीक कर लीजिए। फिल्म निर्माता ने आगे कहा, "और आप होते कौन हैं हमें यह बताने वाले कि दिवाली कैसे मनानी चाहिए ? आप हैं कौन ? हमारा एक त्योहार है, हम इसे मनाएंगे। हम जिम्मेदार लोग हैं और जानते हैं कि अपने त्योहार कैसे मनाने हैं। उन्हें लेक्चर दीजिए जिन्हें नहीं पता कि अपने त्योहार कैसे मनाए जाते हैं। अब बहुत हो गया।" उन्होंने कड़े शब्दों में कहा, "ये वही लोग हैं जो हमारी इंडस्ट्री में आकर लेक्चर देते हैं, लेकिन बाकी त्योहारों पर कुछ नहीं बोलते। आप हमारे धर्म का और कितना अपमान करेंगे? क्या आपमें थोड़ी भी समझ है? मैं आपसे हाथ जोड़कर विनती करता हूं, कृपया ये सभी ट्वीट और इंस्टाग्राम पोस्ट हटा दें, और हमें यह बताना बंद करें कि अपने त्योहार कैसे मनाने हैं,धन्यवाद। अशोक की यह टिप्पणी ठडब के हालिया दिवाली जागरूकता अभियान को लेकर हुए विवाद के बीच आई है, जिसमें अभिनेत्री दीया मिर्जा शामिल थीं। नगर निकाय (ठडब) ने अभिनेत्री का एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह मुंबईवासियों से अपील कर रही थीं कि वे पटाखों को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन करें और त्योहारों के दौरान शोर–शराबे (ध्वनि प्रदूषण) से बचें। वीडियो में यह भी बताया गया था कि सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ना मना है। इसके तुरंत बाद, मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित सातम ने इस अभियान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि शहर को दिवाली मनाने के लिए किसी अभिनेत्री से सीख लेने की जरूरत नहीं है क्योंकि यहां की परंपराएं हमारी संस्कृति में गहराई से रची–बसी हैं। इस तीखी आलोचना के बाद, बीमसी ने बिना कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण दिए अपने सोशल मीडिया अकाउंट से दीया मिर्जा वाला वीडियो हटा दिया। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ दिन पहले ही बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और नगर निकायों से कहा था कि वे त्योहारों के दौरान वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं। कोर्ट ने यह भी सुझाव दिया था कि नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए मशहूर हस्तियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की मदद ली जाए।



घर में बनाएं लहसुन–अदरक का पेस्ट, महीनेभर करें स्टोर

आजकल के बिजी लाइफ शेड्यूल को सेट करने के लिए महिलाओं को अक्सर कुछ चीजें पहले से रेडी करके रखनी होती है। खासतौर पर रसोई में खाना पकाने के लिए वो कई बार रेडीमेड चीजों को यूज करती हैं। जिससे कि टाइम बचे और खाना टेस्टी बनें। लहसुन को छीलने में बहुत वक्त लगता है। इससे बचने के लिए अक्सर रेडीमेड जिंजर–गार्लिक का पेस्ट महिलाएं किचन में रखती हैं। जिसमे प्रिजर्वेटिव मिला होता है। अगर आप इन मार्केट वाले प्रिजर्व जिंजर–गार्लिक पेस्ट को यूज नहीं करना चाहती तो घर में ही अदरक और लहसुन के पेस्ट को बनाकर रख लें। ये महीनेभर तक खराब नहीं होगे। बस इन स्टेप को फॉलो करें।

जिंजर–गार्लिक पेस्ट के लिए सामग्री

100 ग्राम लहसुन

75 ग्राम अदरक

नमक एक चम्मच

2 चम्मच तेल

1 चम्मच व्हाइट विनेगर

जिंजर गार्लिक पेस्ट बनाने की विधि

–सबसे पहले करीब सौ ग्राम लहसुन को छील लें।

–छीलकर इन सारे लहसुन को धूप में रख दें। जिससे कि लहसुन का पानी सूख जाए और ये थोड़े ड्राई हो जाएं।

–अदरक को धोकर अच्छी तरह से छील लें।

–छीलने के बाद धोएं और कपड़े से पानी पोंछकर कुछ देर के लिए पानी में डाल दें।

–जब दोनों चीज में एक दिन तक धूप लग जाए तो मिक्सी के जार में पहले लहसुन और फिर अदरक का बारीक पेस्ट बना लें।

–ध्यान रहे कि पेस्ट बनाने के लिए पानी का इस्तेमाल ना करें।

–किसी कांच के बाउल या जार में इस पेस्ट को निकालें।

–इसमे नमक और तेल मिक्स करें।

–सबसे आखिर में दो चम्मच व्हाइट विनेगर डालें और ढक्कन बंद कर दें।

–इस पेस्ट को फ्रिज में रख दें।

–जब जरूरत हो तो सूखे चम्मच से पेस्ट निकालें और बाकी फ्रिज में डाल दें। ये पेस्ट फ्रिज में आराम से 15–20 दिन तक खराब नहीं होंगे। और खाने का स्वाद भी बढ़ाएंगे।

पिंपल और दाग–धब्बों को हल्का कर देगा ये फेस मास्क, बस रोज वाटर में मिलाएं ये चीज

साफ–सुथरी त्वचा हर किसी की चाहत होती है। लड़के हो या लड़कियां, हर कोई पिंपल और दाग–धब्बों से परेशान रहते हैं। जिसका कारण कभी केमिकल वाले प्रोडक्ट होते हैं तो कभी धूल–मिट्टी और प्रदूषण। वहीं कई बार गलत खानपान और हार्मोंस की वजह से भी चेहरे पर पिंपल दिखने लगते हैं। जो स्किन पर धब्बों को छोड़ जाते हैं। फेस पर दिख रहे ये काले धब्बे जरा भी अच्छे नहीं लगते। इन डार्क स्पॉट और पिंपल से छुटकारा पाना है तो बहुत सारी चीजें नहीं बस फ्रिज में रखी इस चीज को लगा लें।

बनाएं दही का फेस पैक



दही नेचुरल क्लींजर है लेकिन बहुत सारे लोग इस नेचुरल क्लींजर को इग्नोर करते हैं। अगर चेहरे पर क्लिस्टर क्लीयर ग्लो चाहिए तो सप्ताह में दो से तीन बार दही से फेस को क्लींन किया जा सकता है। साथ में बस इस चीज को मिला लें।

बनाएं रोज वाटर के साथ फेस पैक

दही और रोज वाटर को मिलाकर फेस पैक तैयार कर लें। इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं और करीब आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को धो दें। ये चेहरे के ब्लैक हेड्स हटाने के साथ ही पिंपल को कम करने और दाग–धब्बों को हल्का करने में मदद करेगी।

रोज वाटर से दूर होंगे पिंपल

रोजाना चेहरे को फेस वाश से धोने के बाद कॉटन बॉल्स में लेकर रोज वाटर को लगाने से पिंपल कम होने में मदद मिलती है। साथ ही नए पिंपल भी निकलना बंद हो जाते हैं।



शादी के बाद लड़कियों के गुस्सैल और चिड़चिड़ा होने के पीछे जिम्मेदार होते हैं ये 5 कारण

शादी के बाद महिला हो या पुरुष, दोनों के जीवन में कई तरह के बदलाव आते हैं। लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाओं का जीवन शादी के बाद काफी ज्यादा बदल जाता है। कोई भी लड़की जिस दिन से शादी करके ससुराल की दहलीज में कदम रखती हैं, उसी पल से उसके व्यक्तित्व में कई तरह के बदलाव आने शुरू हो जाते हैं। शादी के बाद ससुराल में लड़की अपने नए परिवार के लिए खुद को बदलने की कोशिश करती है, घर के नए सदस्यों के अनुसार काम करती है, जो शादी से पहले नहीं किया वो सबकुछ करती है। लेकिन इन सब बातों से अलग क्या आप जानते हैं वो कौन से 5 कारण होते हैं जिसकी वजह से लड़कियां शादी के बाद गुस्सैल और चिड़चिड़ी बनने पर मजबूर हो जाती हैं। आइए जानते हैं।

घर और ससुराल के माहौल में फर्क–

शादी के बाद कई लड़कियों को यह महसूस होता है कि उनके मायके और ससुराल के रहन–सहन, सोने, जागने, खाने–पीने में काफी फर्क है। अपने घर में जहां लड़की बेबाकी से हर बात बोल लिया करती थी वहीं ससुराल में अब उसे वैसा माहौल नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से कई बार उसके नेचर में गुस्सा और चिड़चिड़ापन आने लगता है।

ससुराल में प्यार और सम्मान का ना मिलना–

अपना परिवार छोड़कर ससुराल आई लड़की को जब नए घर में मायके जैसा प्यार और सम्मान नहीं मिलता, तो वो खुद को बहुत बेबस महसूस करती है। ससुराल वालों के खराब व्यवहार और तानों की वजह से भी वो परेशान होकर गुस्से में रहना शुरू कर देती है।

जॉब छूटने का कारण–

अगर शादी के बाद लड़की को किसी वजह से अपनी जॉब छोड़नी पड़ती है और अपने जरूरी खर्चों को पूरा करने के लिए अपने पति या उसके परिवार पर निर्भर रहना पड़ता है, तो अपनी इस फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस के खत्म होने की वजह से भी उसमें गुस्सा, नाराजगी, चिड़चिड़ापन आ सकता है।

सपने पूरे न होने पर–

अगर लड़की शादी से पहले कोई अच्छा कोर्स या हायर एजुकेशन लेना चाहती थी लेकिन शादी होने की वजह से ऐसा नहीं कर पाई तब भी वो अंदर ही अंदर कुढ़ने लग जाती है, उसका किसी काम में मन नहीं लगता है और स्वभाव में चिड़चिड़ापन आने लग जाता है।

पति का साथ ना मिलना–

एक लड़की शादी के बाद कोई भी काम करने के लिए सबसे ज्यादा अपने पति पर निर्भर रहती है। लेकिन शादी के बाद उसे अपने पति का ही सपोर्ट नहीं मिलता तो भी उसका स्वभाव गुस्से वाला हो जाता है।

अपने बच्चों की कड़ी मेहनत और पढ़ाई में ना बनो रोड़ा, एक मां को लेकर कोर्ट ने क्यों कहा ऐसा?



दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि अपने बच्चों की भलाई के लिए एक मां की चिंता को अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता तथा बच्चों को होने वाले "मनोवैज्ञानिक आघात" को लेकर मां की आशंका को उनकी (बच्चों की) शिक्षा के राह में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। उच्च न्यायालय की यह टिप्पणी एक महिला द्वारा अपने बच्चों को ब्रिटेन के स्कूल में भेजने के लिए उसके और उससे अलग रह रहे पति द्वारा लिये गए 'संयुक्त निर्णय' में हस्तक्षेप करने से इनकार करने के निचली अदालत के आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई करते समय आई।

मां ने दलील दी कि अलग होने के कारण दोनों बच्चों को मनोवैज्ञानिक आघात हो सकता है और इसलिए उन्हें यहीं ब्रिटिश स्कूल में दाखिला दिया जाना चाहिए या ब्रिटेन में उसी स्कूल में भेजा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह बच्चों के हित में है कि उसे "टूटे हुए घर के बोझिल माहौल" से निकालकर उचित शिक्षा और स्वस्थ विकास के अच्छे अवसर के लिए एक जगह पर रखा जाए।



बच्चों के साथ अपनी बातचीत के आधार पर, अदालत ने पाया कि वे विदेश में पढ़ने के इच्छुक थे तथा कड़ी मेहनत के माध्यम से अपने संबंधित स्कूलों में प्रवेश पाने में सक्षम थे, तथा शुरुआत में मां ने खुद पिता के साथ संयुक्त रूप से उन्हें अध्ययन के लिए विदेश जाने की अनुमति देने का निर्णय लिया था। पीठ ने अपने हालिया आदेश में कहा, "तो मामला यह है कि, अपीलकर्ता मां की यह आशंका कि वे (बच्चे) मनोवैज्ञानिक आघात से पीड़ित हो सकते हैं, उसके (मां के) अपने डर और चिंता से पैदा हुई प्रतीत होती है, जिसे बच्चों तक प्रसारित करने या उनके भविष्य के शैक्षिक मार्ग में बाधा बनाने की आवश्यकता नहीं है।"

पीठ में न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा भी शामिल हैं। पीठ ने कह–, "बच्चों की भलाई के लिए एक मां की चिंता को कभी भी जरूरत से अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता.. इसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बच्चों को माता–पिता से दूर विदेश भेजने से उनके कल्याण से किसी भी तरह का समझौता नहीं होगा, खासकर जब बच्चों ने इतनी मेहनत की हो।" अदालत ने कहा कि मां की बिना किसी ठोस आधार वाली चिंताओं के कारण बच्चों की रुचि और कड़ी मेहनत को बर्बाद नहीं किया जा सकता। अदालत ने आदेश में यह भी कहा कि जब पति–पत्नी के बीच कड़वे झगड़ों के परिणामस्वरूप घर का माहौल तनाव से भर जाता है, तो बच्चे का स्वस्थ विकास गंभीर रूप से प्रभावित होता है।



फ्रिज में भी रखा रह जाता है आधा कटा नींबू? बर्बादी से बचाने के लिए ऐसे करें स्टोर

नींबू कई भारतीय डिशेज का टेस्ट बढ़ाने के काम आता है। यह विटामिन सी का भी बढ़िया सोर्स है। तो कोशिश करें कि किसी न किसी तरह से नींबू आहार में शामिल करें। यह आपकी इम्यूनिटी और स्किन के लिए भी अच्छा है। नींबू के स्टोरेज को लेकर अक्सर दिक्कतें आती हैं। कई बार नींबू की कुछ बूंदों की जरूरत होती है और आधा कटा नींबू रखा–रखा खराब हो जाता है। यहां कुछ किचन हैक्स हैं जो आपके काम आ सकते हैं।

3–4 दिन स्टोर करना हो तो...

नींबू विटामिन सी से भरपूर होता है। इसे कई डिशेज में खट्टापन लाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। नींबू का जूस भी नमकध्चीनी या दोनों के साथ पिया जाता है। ज्यादातर घरों में अगर आप फ्रिज चेक करें तो इसमें कहीं न कहीं आधा नींबू रखा दिख जाएगा। नींबू ऐसे रखने से इसकी फ्रेशनेस जाती है साथी ही कुछ वक्त बाद यह यूज का भी नहीं रहता। इसके लिए एक तरीका है कि एक कांच का ढक्कन वाला जार लें। इसमें कुछ नींबू निचोड़कर फ्रिज में स्टोर कर लें। इससे आप खाना बनाते वक्त नींबू का रस निकालने के झंझट से बचे रहेंगे और नींबू बर्बाद नहीं होगा। ये नींबू का रस 3 से 4 दिन के लिए सही रहता है बाद में इसका स्वाद बदल जाता है।

जिप–टॉप बैग

आपको लग रहा है कि 3 दिन हो गए और रस ज्यादा बचा है तो इसे पानी के जूस बनाकर पी लें और जार में नया रस स्टोर कर लें। अगर आप चाहते हैं कि बिना कटे नींबू लंबे वक्त तक फ्रेश रहें तो आप इन्हें जिप–टॉप बैग में स्टोर करें। इससे यह करीब एक महीने तक फ्रेश रह सकते हैं। कटा नींबू भी इसमें रख सते हैं।

आइसक्यूब जमाएं

नींबू के रस को लंबे समय तक स्टोर करने के लिए इसे आइसक्यूब्स में जमा लें। इनको शिकंजी वगैरह में जरूरत के हिसाब से यूज करें। ध्यान रखें विटामिन सी आपकी हेल्थ और ब्यूटी के लिए भी अच्छा होता है। इसलिए रोजाना नींबू का रस पीना भी जरूरी है। इसे महीने भर के अंदर यूज कर लें।

इन फलों से रखें दूर

नींबू को ऐसे फल–सब्जियों के पास न रखें जिनसे इथाइलिन निकलता है। जैसे सेब, केला, आम, पाइनऐप्पल, कीवी, खुबानी, ऐवोकाडो।

संक्षिप्त



India EU FTA पर दिसंबर में होंगे हस्ताक्षर, ब्रसेल्स में अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की है। इस समझौते पर दिसंबर में हस्ताक्षर होने हैं। आधिकारिक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी गई। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह ब्रसेल्स यात्रा के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की। अग्रवाल ने यूरोपीय आयोग के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा महानिदेशालय की डिट्टे जुल जॉर्गनस, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी महानिदेशालय के कोएन डोएन्स और कराधान एवं सीमा शुल्क संघ महानिदेशालय के गेरासिमोस थॉमस से मुलाकात की। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इन बैठकों में सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्षों ने कारोबारियों को समर्थन देने, लेनदेन की लागत कम करने और वैध व्यापार की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने में कुशल, पारदर्शी एवं डिजिटल रूप से सक्षम सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के महत्व को स्वीकार किया।'' दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को इस समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इससे चमड़ा, कपड़ा और रत्न एवं आभूषण जैसे भारत के श्रम–प्रधान क्षेत्रों को शुल्क–मुक्त पहुंच मिलेगी। मंत्रालय ने यह भी बताया कि सचिव ने हीरा उद्योग के हितधारकों से मुलाकात की। इनमें एंटवर्प के हीरा कारोबार से जुड़े प्रतिनिधि भी शामिल थे। एंटवर्प (बेल्जियम) को दुनिया की हीरा राजधानी कहा जाता है। वैश्विक हीरा मूल्य श्रृंखला, प्रमाणन एवं पता लगाने संबंधी आवश्यकताओं, जिम्मेदारी से हीरों की खरीद तथा भारत के बढ़ते हीरा बाजार और विनिर्माण क्षेत्र से पैदा होने वाले अवसरों पर चर्चाएं की गईं। भारत और बेल्जियम ने रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में पहचाना है। एंटवर्प, मुंबई और सूरत को हीरे के प्रमुख केंद्रों के रूप में मान्यता दी गई है।

एचडीएफसी कैपिटल और दिव्यश्री डेवलपर्स ने मिलाया हाथ, बनाएंगे 1500 करोड़ का आवासीय मंच

नयी दिल्ली। एचडीएफसी कैपिटल ने रियल एस्टेट कंपनी दिव्यश्री डेवलपर्स के साथ आवासीय परियोजनाएं विकसित करने के लिए 1,500 करोड़ रुपये का मंच बनाने के लिए साझेदारी की है। बेंगलुरु स्थित दिव्यश्री डेवलपर्स ने सोमवार को बयान में कहा कि उसने एचडीएफसी कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड के साथ ''भारत में 1,500 करोड़ रुपये का आवासीय मंच स्थापित करने'' के लिए साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत दिव्यश्री को अगले तीन से चार वर्षों में आवासीय परियोजनाओं के अधिग्रहण और विकास में मदद के लिए पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी। इन परियोजनाओं से 6,750 करोड़ रुपये का संभावित राजस्व मिलने की उम्मीद है। ये परियोजनाएं बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई में विकसित की जाएंगी। एचडीएफसी कैपिटल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विपुल रूंगटा ने कहा, ''भारत का आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र संस्थागत समर्थन से विकास के लिए लगातार अच्छे अवसर दे रहा है। शहरी बाजारों में बेहतर गुणवत्ता वाले आवास की लगातार बनी मांग से इसे समर्थन मिल रहा है।'' उन्होंने कहा कि दिव्यश्री डेवलपर्स के पास रियल एस्टेट विकास का मजबूत अनुभव, बाजार की गहरी समझ और गुणवत्तापूर्ण कामकाज के प्रति प्रतिबद्धता है। दिव्यश्री डेवलपर्स के चेयरमैन एवं सीईओ भास्कर एन राजू ने कहा कि यह मंच कंपनी को आवासीय कारोबार के विस्तार के अपने दृष्टिकोण को साकार करने में मदद करेगा। दिव्यश्री डेवलपर्स दक्षिण भारत की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। कंपनी का विविध कारोबार वाणिज्यिक, आवासीय, परिसंपत्ति प्रबंधन, आतिथ्य, सह–निवास और शिक्षा क्षेत्रों में फैला हुआ है। एचडीएफसी कैपिटल, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है और एचडीएफसी समूह की रियल एस्टेट निजी इक्विटी इकाई है। एचडीएफसी कैपिटल मुख्य तौर पर किफायती एवं मध्यम आय वर्ग के आवासों के विकास के वित्तपोषण के लिए काम करती है।

विदेशी बाजारों में डॉलर की बढ़ती मांग से रूपया 21 पैसे फिसला

मुंबई। रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर पहुंच गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की बढ़ती मांग से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी से



रुपये को निचले स्तर पर थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.90 प्रति डॉलर पर खुला। फिर लुढ़ककर 94.97 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.76 पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109.95 पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 3.07 प्रतिशत फिसलकर 109. 95 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 3,598.54 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे श्रृंखला 2–2 से बराबर रहेगी, चेतेश्वर पुजारा ने की भविष्यवाणी

पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे श्रृंखला 2–2 से बराबरी पर समाप्त होगी और एक मैच बारिश की भेंट चढ़ सकता है। उन्होंने तीसरे नंबर पर खेलने के कारण विराट कोहली के रोहित से अधिक शतक बनाने की संभावना जताई। वहीं अभिषेक नायर ने टेस्ट श्रृंखला को कोच गौतम गंभीर के लिए निर्णायक बताया। पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला 2–2 से बराबरी पर समाप्त होगी, क्योंकि उन्हें लगता है कि हाल में किए गए कुछ बदलावों के कारण मेहमान टीम को थोड़ा नुकसान होगा। पुजारा को यह भी लगता है कि पांच मैचों की श्रृंखला का कम से कम एक मैच बारिश के कारण रद्द हो सकता है। भारत को आखिरी दो वनडे मैचों में नियमित कप्तान शुभमन गिल और उप कप्तान केएल राहुल के बिना खेलना होगा, क्योंकि वे 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला की तैयारी शुरू करेंगे। वनडे श्रृंखला 15 नवंबर को समाप्त होगी। पुजारा ने 'जियोस्टार' से कहा, ''श्रृंखला का परिणाम 2–2 से बराबर रह सकता है। पहले तीन मैचों में एक ही भारतीय टीम खेल रही है लेकिन अंतिम दो वनडे में अलग टीम होगी। इसलिए मुझे लगता है कि इससे न्यूजीलैंड को थोड़ा फायदा होगा।'' उन्होंने कहा, ''पहले तीन मैचों में मैं भारतीय टीम का पलड़ा भारी रह सकता है लेकिन आखिरी दो मैच थोड़े चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। दोनों टीम के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। इसके अलावा न्यूजीलैंड में बारिश होती रहती है और इसलिए एक मैच बारिश की भेंट चढ़ सकता है।'' पुजारा से यह भी पूछा गया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली में से कौन इस श्रृंखला में ज्यादा शतक बना सकता है। इस पूर्व टेस्ट विशेषज्ञ ने कहा कि उन्हें लगता है कि कोहली ज्यादा शतक

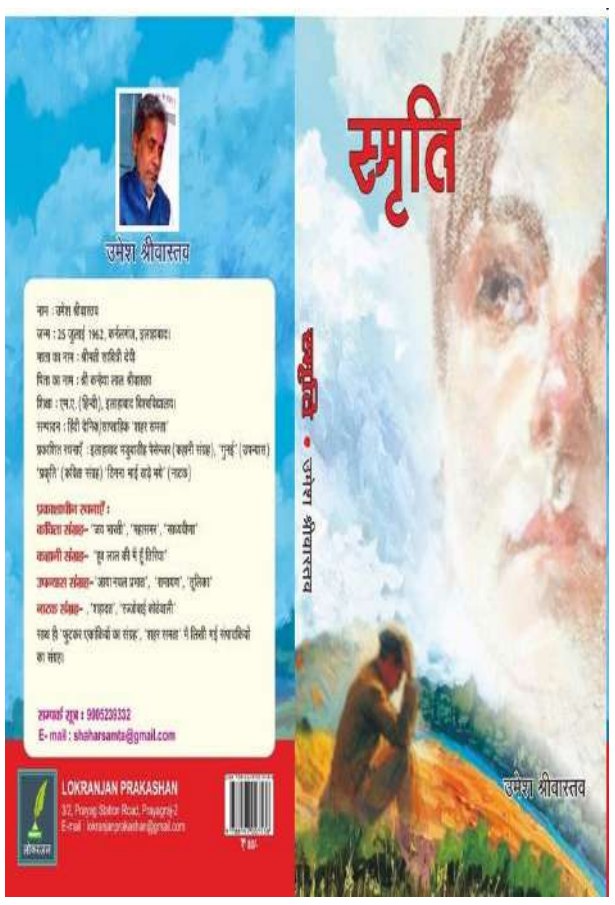


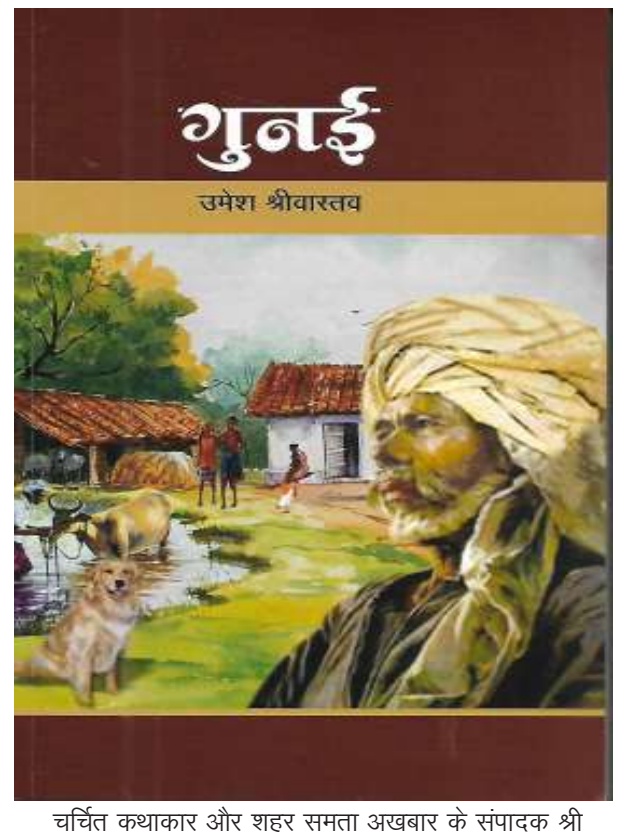
बनाएंगे। उन्होंने कहा, ''रोहित की पावरप्ले में अच्छी शुरुआत देने में अहम भूमिका होती है। हो सकता है कि न्यूजीलैंड में उनकी यह भूमिका बदल जाए। ऐसा होता है तो वह शतक बना सकते हैं। लेकिन विराट के लिए संभावनाएं थोड़ी अधिक हैं क्योंकि वह नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हैं। उनकी मुख्य भूमिका पारी को संवारने वाले सूत्रधार की होगी।'' पूजारा ने कहा, ''तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले बल्लेबाज के लिए वनडे प्रारूप में शतक बनाना थोड़ा आसान हो जाता है। सलामी बल्लेबाज की भूमिका भी तय होती है लेकिन न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में यह थोड़ी बदल जाती है। इसलिए मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड में रोहित की तुलना में विराट के शतक बनाने की संभावना अधिक है।'' पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने कहा कि टेस्ट श्रृंखला मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी। नायर ने कहा, ''यह टेस्ट श्रृंखला गौतम गंभीर और भारतीय प्रशंसकों के लिए निर्णायक है। इसलिए मैं चाहता कि टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूप खेलने वाले केएल राहुल और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी केवल टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करें।''

न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज 3–2 से जीतने पर बोले गौतम गंभीर, पूरे दौरे की लय तय हुई

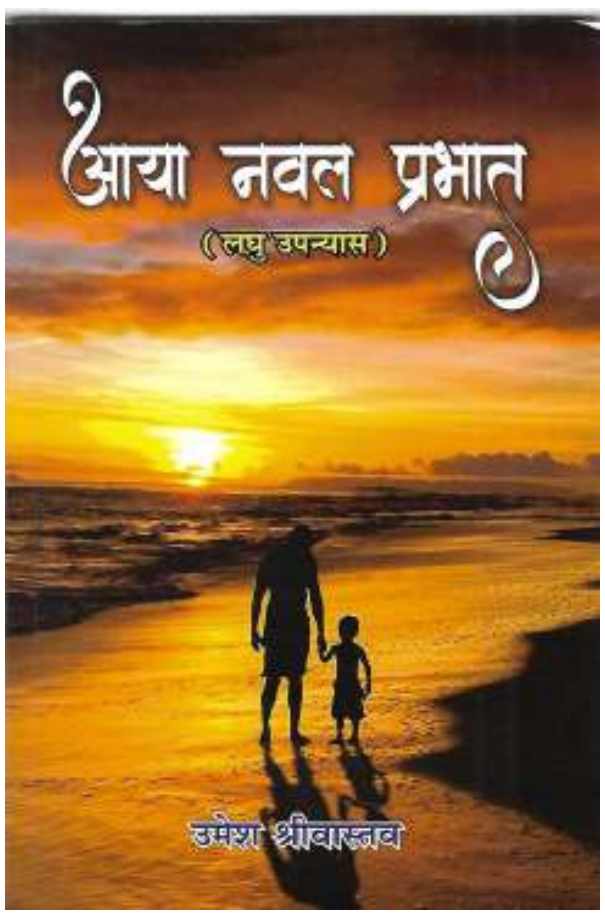
भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टी20 टीम ने न्यूजीलैंड के मौजूदा दौरे में वनडे और टेस्ट मैचों के लिए सही माहौल तैयार कर दिया है, क्योंकि अभ्यास का पर्याप्त मौका नहीं मिलने के बावजूद उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में श्रृंखला जीती। भारत ने न्यूजीलैंड को पांच मैच की टी20 श्रृंखला में 3–2 से हराया, जबकि उसकी टीम पहले मैच से कुछ दिन पहले ही यहां पहुंची थी। उसे श्रृंखला के बीच में आराम करने का भी बहुत कम मौका मिला। गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों से कहा, ''इस श्रृंखला में आप लोगों ने जैसा प्रदर्शन किया उस पर आपको बहुत गर्व होना चाहिए। विशेषकर तब जबकि आपको तैयारी के लिए सिर्फ एक दिन का समय मिला। न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना और जीत हासिल करना ऐसा है जिस पर आप गर्व कर सकते हैं।'' भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है जिसमें गंभीर ने कहा, ''आप लोग आखिरी दो मैच भी जीतना चाहते थे, लेकिन कभी–कभी ऐसा हो जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि आप लोगों ने दौरे के आगामी मैचों के लिए माहौल तैयार कर दिया है। श्रृंखला शुरू होने से पहले मैंने कहा था कि माहौल तैयार करने की जिम्मेदारी आप लोगों की है।'' उन्होंने कहा, ''अब वनडे और टेस्ट खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है कि वे वहीं से आगे बढ़ें जहां पर आप लोगों ने छोड़ा है।'' भारत और न्यूजीलैंड के बीच चार नवंबर से पांच मैचों की वनडे श्रृंखला खेली जाएगी जबकि दो मैच की टेस्ट श्रृंखला 19 नवंबर से शुरू होगी। गंभीर ने टी20 खिलाड़ियों से दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए अपनी फिटनेस बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''यह सुनिश्चित करना होगा कि हम लगातार सुधार करते रहें। ऐसा करना सबसे महत्वपूर्ण है। हम जानते हैं कि हम पर्याप्त टी20 क्रिकेट नहीं खेलते हैं। अब हमें एक महीने का ब्रेक मिला है, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आपकी फिटनेस बनी रहे और आप आगे के मैचों के लिए तैयार रहें।'' गंभीर ने कहा, ''हम एक टीम के रूप में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। हम एक टीम के रूप में सोच रहे हैं और एक टीम के रूप में खेल रहे हैं।''

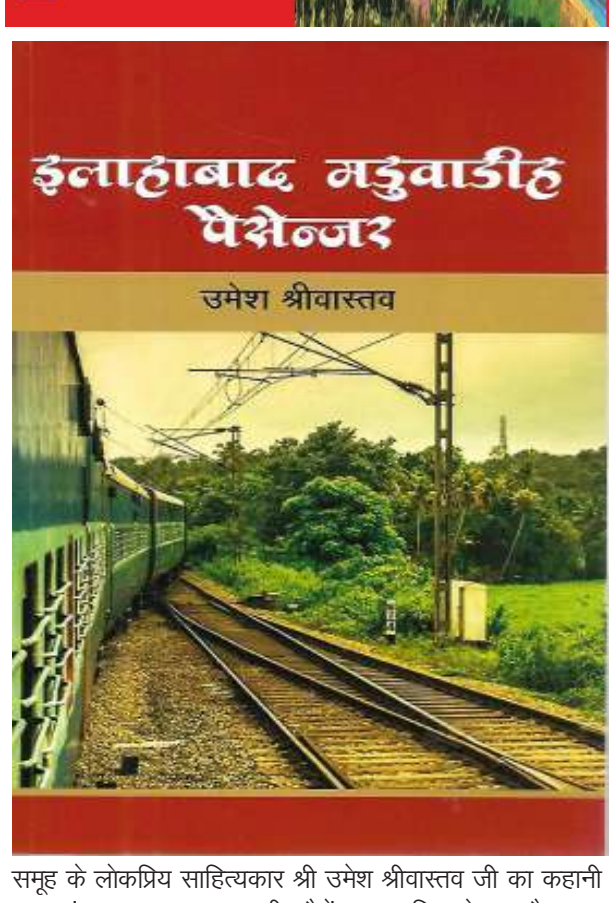




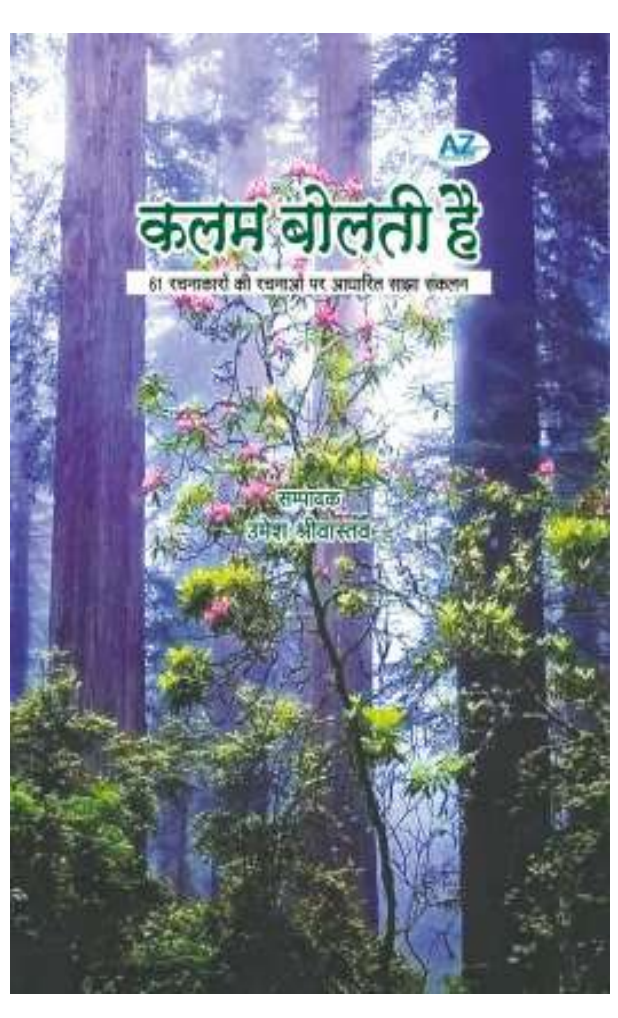


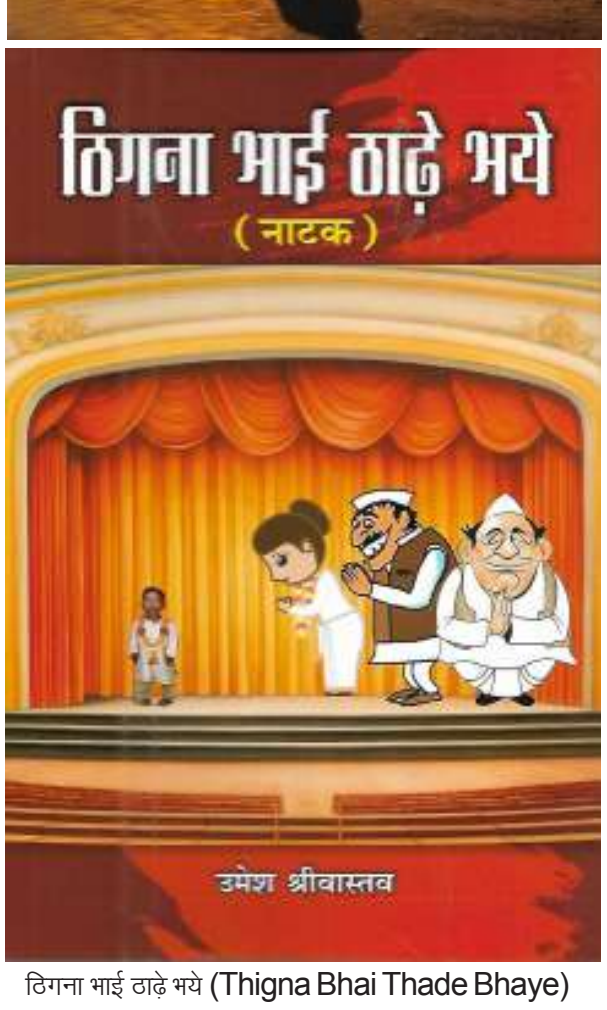
चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित





समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।





ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारत की जमीन से जापान से दागी मिसाइल, पाक की बढ़ी टेंशन

एशिया का पावर गेम पूरी तरह बदल चुका है। भारत और जापान की नई दोस्ती ने बीजिंग से लेकर इस्लामाबाद तक के हुक्मरानों की इरादों की नींद उड़ा दी है। जापान अब अपनी वो तबाही मचाने वाली 1000 किमी मारक क्षमता वाली मिसाइल और स्ट्राइक ड्रोन भारत की टेस्टिंग रेंज में दागने की तैयारी कर रहा है। ओडिसा के चांदीपुर में और इस खबर ने



पाकिस्तान के रक्षा विशेषज्ञों की नींद उड़ा कर रख दी है। वे अपनी बौखलाहट छिपा भी नहीं पा रहे हैं। जापान जो कभी अपनी रक्षात्मक नीतियों के दायरे में सिमटा रहता था। आज चीन और ड्रैगन के हरकतों से तंग आकर अपनी सैन्य ताकत को खतरनाक स्तर पर बढ़ा रहा है। जापान बना रहा टाइप 25 जैसी घातक एंटीशिप मिसाइल जिसकी रेंज पूरे 1000 किमी है। जापान खुद एक छोटा आइलैंड नेशन है। जहां इतनी लंबी दूरी की मिसाइलों को टेस्ट करने के लिए ना तो खुला आसमान है और ना ही समंदर। इसीलिए जापान के चीफ ऑफ स्टाफ ने हाथ जोड़कर भारत की तरफ देखा। जापानी रक्षा अधिकारियों की टीम ने भारत आकर ओसा के चांदीपुर टेस्ट रेंज का कोना–कोना छान मारा है। सोचिए जहां भारत अपनी अग्नि और ब्रह्मोस जैसी मिसाइलों से दुश्मनों के होश उड़ाता है। अब वहीं जापान भी अपने हथियार परखेगा। अब जरा रुख करते हैं हमारे प्यारे कंगाल पड़ोसी यानी पाकिस्तान की तरफ। इस खबर के आते ही पाकिस्तान में मातम छा गया। पाकिस्तान के जाने–माने विश्लेषक कमर चीमा जैसे लोग इस बात से बौखलाए हुए हैं कि अरे भाई भारत और जापान की यह नजदीकी हमारे आका यानी चीन के लिए बहुत बड़ा खतरा है। भारत की कूटनीति ने दुनिया के सबसे तकनीकी रूप से उन्नत देश यानी जापान को अपने पाले में लाकर खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान की चीन पर अंधभक्ति वाली आदत अब इस नए रक्षा समीकरण के सामने पूरी तरह पस्त नजर आ रही है। भारत और जापान का यह तकनीकी तालमेल सीधे तौर पर चीन और उसके समर्थक पाकिस्तान की हैकड़ी निकालने के लिए काफी है। जरा सोचिए अगर जापान की तकनीक और भारत की सैन्य ताकत एक मंच पर आ गई तो इस पूरे इंडोपेसिफिक क्षेत्र में चीन की दादागिरी हमेशा के लिए दफन हो जाएगी। बीजिंग के रणनीतिकारों की नींद उड़ चुकी है क्योंकि उन्हें पता है कि भारत अब सिर्फ जवाब देना नहीं जानता बल्कि दुनिया के दिग्गजों को अपने यहां ट्रेनिंग और टेस्टिंग का मैदान मुहैया करा रहा है।

बुल्गारिया में इलियाना योतोवा की जीत के संकेत, एग्जिट पोल में 52 फीसदी वोट का अनुमान

सोफिया। बुल्गारिया में राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे चरण के बाद आए 'एग्जिट पोल' के नतीजों के अनुसार मौजूदा राष्ट्रपति इलियाना योतोवा की जीत की संभावना है। आधिकारिक आंशिक परिणाम रविवार को बाद में जारी होने की उम्मीद है। कई सर्वेक्षण एजेंसियों के 'एग्जिट पोल' में योतोवा को लगभग 52 प्रतिशत मत मिलने का अनुमान जताया गया है। यदि आधिकारिक परिणामों में इसकी पुष्टि होती है, तो वह बुल्गारिया की पहली निर्वाचित महिला राष्ट्र प्रमुख बन जाएंगी। सुधारवादी और पश्चिम समर्थक विपक्षी दलों के समर्थन वाले पूर्व अंतरिम प्रधानमंत्री आंद्रेई ग्युरोव लगभग 44 प्रतिशत मतों के साथ पीछे हैं। यह मतदान प्रधानमंत्री रूमेन रादेव की रूस–समर्थक प्रोग्रेसिव बुल्गारिया पार्टी के लिए पहली बड़ी परीक्षा था। प्रोग्रेसिव बुल्गारिया ने योतोवा का समर्थन किया है। अप्रैल में हुए संसदीय चुनाव में इस पार्टी ने संसद की 240 में से 131 सीट पर जीत दर्ज कर पूर्ण बहुमत हासिल किया था। योतोवा (62) ने इस साल जनवरी में उस समय राष्ट्रपति पद संभाला था, जब रादेव ने संसदीय चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया था।

पाँच राज्यों में बड़ा उलटफेर: वोटर्स की नाराजगी से ट्रंप को झटका, सीनेट में डेमोक्रेट्स को बढ़त

3 नवंबर से पहले, द न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि रिपब्लिकन सीनेटरों द्वारा प्रतिनिधित्व किए जा रहे छह महत्वपूर्ण राज्यों में से पांच में डेमोक्रेटिक सीनेट उम्मीदवार रिपब्लिकन से आगे चल रहे हैं। आयोवा में मुकाबला लगभग बराबरी का था, जबकि मिशिगन में डेमोक्रेट्स को दो अंकों की बढ़त हासिल थी, जो सर्वेक्षण में शामिल एकमात्र ऐसा राज्य है जहां वे सीनेट सीट का बचाव कर रहे हैं। चुनाव के दिन से पहले श्टाइम्स/सिएनाश के अंतिम सर्वे के नतीजे बताते हैं कि डेमोक्रेट्स के पास एक ऐतिहासिक मौका हो सकता है। सीनेट में बहुमत हासिल करने के लिए, पार्टी को अपनी मौजूदा सीटें बचाए रखने के साथ–साथ रिपब्लिकन के कब्जे वाली कम से कम चार सीटें अपने पाले में करनी होंगी।

यूक्रेन के खेरसॉन में स्थानीय सीजफायर खत्म, आम नागरिकों को सताने लगा फिर हमलों का डर

खेरसॉन। यूक्रेन के दक्षिण–पूर्वी खेरसॉन क्षेत्र में नागरिकों ने रविवार को स्थानीय संघर्षविराम समाप्त होने के बाद की स्थिति से निपटने की तैयारी की। यह संघर्षविराम रूस के करीब पांच साल पहले यूक्रेन पर पूर्ण सैन्य आक्रमण शुरू करने के बाद से कीव और मॉस्को के बीच सबसे महत्वपूर्ण युद्धविराम रहा है। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप ने इस सीमित संघर्षविराम के लिए मदद की थी। यह संघर्षविराम मंगलवार तड़के शुरू हुआ था और रविवार शाम इसके समाप्त होने की उम्मीद थी। इस दौरान अग्रिम मोर्चे पर स्थित ओलेश्की शहर में घिरे लोगों को निकालने का अवसर मिला। इसके लिए एक दुर्लभ संयुक्त अभियान चलाया गया, जो शनिवार को समाप्त हुआ। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा, ''ओलेश्की और आसपास के खेरसॉन क्षेत्र में संघर्षविराम ने



निवासियों को बिना लगातार हमले के खतरे के आवाजाही करने, भोजन, स्वच्छ पानी और दवाइयां प्राप्त करने की स्वतंत्रता दी है। इससे उन्हें सम्मान की नई अनुभूति भी मिली है। ओलेश्की स्थायी शांति की शुरुआत बने।'' अस्थायी संघर्षविराम लागू होने के समय ओलेश्की में करीब 2,000 नागरिक मौजूद थे। उन्हें यूक्रेन या रूस के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में जाने अथवा भोजन और चिकित्सा सामग्री की नई आपूर्ति के साथ शहर में ही रहने का विकल्प दिया गया था। वहां रुके लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निकासी के बाद उनकी सटीक संख्या सार्वजनिक नहीं की गई। शनिवार को यूक्रेन की सीमा पर परिवार के सदस्य अपने प्रियजनों की एक झलक पाने के लिए इंतजार कर रहे थे, जबकि आसपास के गांवों के निवासियों ने राजमार्ग पर खड़े होकर झंडे और टॉर्च लहराते हुए मानवीय सहायता काफिले का स्वागत किया। हालांकि, मॉस्को और कीव ने अन्य क्षेत्रों में हवाई हमले जारी रखे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूस सर्दियों से पहले यूक्रेन की ऊर्जा प्रणालियों को निशाना बना रहा है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि रातभर में लाखों की संख्या में परिवारों की बिजली आपूर्ति बाधित हुई। मॉस्को यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों की कमी का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने एक्स पर लिखा, ''हमलों की तीव्रता बेहद अधिक है और रूसी बैलिस्टिक मिसाइल को रोकने वाले इंटरसेप्टर की कमी का अधिकतम फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।'' यूक्रेन के खेरसॉन शहर में रविवार को निवासी शांत रहे, हालांकि उन्हें पता था कि स्थानीय संघर्षविराम के कारण बनी शांति जल्द समाप्त हो जाएगी। यूक्रेन के विनित्सिया क्षेत्र में एक अन्य स्थान पर रूसी हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन की राज्य आपातकालीन सेवा के अनुसार, मरने वालों में 13 वर्षीय एक लड़की भी शामिल है। एक ड्रोन ने एक व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान के परिसर को निशाना बनाया था। हमले में चार अन्य लोग घायल हुए, जिनमें पांच साल की दो बच्चियां और 16 वर्षीय एक लड़का शामिल हैं। क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार, रूसी ड्रोन हमलों ने लगातार दूसरे दिन यूक्रेन के कीव क्षेत्र को भी निशाना बनाया। इसमें एक महिला घायल हुई और मकानों, ऊर्जा ढांचे तथा एक खुदरा प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचा। यूक्रेन की वायुसेना ने रविवार को जारी अपनी दैनिक रिपोर्ट में कहा कि मॉस्को की सेना ने रातभर में यूक्रेन पर 433 ड्रोन से हमला किया, जिनमें से 371 को नष्ट कर दिया गया या उनका प्रभाव निष्क्रिय कर दिया गया। दूसरी ओर, मॉस्को के पूर्व में स्थित रूस के निजनी नोवगोरोद क्षेत्र में 100 से अधिक यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए। क्षेत्रीय गवर्नर ग्लीब निकितिन ने रविवार को यह जानकारी दी। निकितीन ने कहा कि क्षेत्र के कस्तोवो शहर में एक औद्योगिक इमारत को ''काफी नुकसान'' पहुंचा है, हालांकि उन्होंने इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। रूसी मीडिया संस्थानों ने बाद में खबर दी कि हमले के कारण कस्तोवो तेल रिफाइनरी में आग लग गई। उन्होंने क्षितिज के ऊपर काले धुएं के गुबार की तस्वीरें भी साझा कीं। रूसी मीडिया संस्थानों ने निजनी नोवगोरोद क्षेत्रीय प्रशासन के हवाले से बताया कि पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगने के बाद स्थानीय अधिकारियों ने क्षेत्र में पेट्रोल की बिक्री पर सीमाएं लगा दीं। हालांकि, डीजल की बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया। जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि कीव ने रूस के दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र में मिसाइल के कलपुर्जे बनाने वाली एक फैक्टरी और वायु रक्षा प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया है।

इजरायल से नेतन्याहू की विदाई, 19 सांसद करेंगे खेला! विपक्ष एकजुट, आइजेनकोट का बड़ा प्लान

19 साल तक इजराइल की राजनीति में दबदबा बनाए रखने वाले बेंडमिन नेतन्याहू की कुर्सी पर खतरा मंडराने लगा है। विपक्षी नेता गादी आइजनकोर्ट ने सरकार बनाने के लिए ऐसा सियासी दाव चला जिसने पूरे चुनावी समीकरण को बदल दिया। आइजनकोर्ट ने नई सरकार बनाने के लिए चार बड़ी शर्तें रखी हैं। इनमें हरेरी समुदाय को सेना में भर्ती करना, इजराइल को यहूदी और लोकतांत्रिक देश बनाए रखना और गजा से हमास का शासन खत्म करना यह सब शामिल है। सबसे बड़ी बात यह है कि जिन अरब पार्टियों के पास 19 सीटें हैं, उन्होंने भी आइजन कोड को समर्थन देने का फैसला किया है। यानी विपक्षी खेमे का आंकड़ा 48 से बढ़कर 67 तक पहुंच सकता है। जो बहुमत के 61 के आंकड़े से काफी ज्यादा है। ऐसे में सवाल है कि क्या इजराइल में नेतन्याहू का दौर खत्म होने वाला है? 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में 120 सीटों वाली संसद यानी कि 69 में बहुमत के लिए 61 सीटों की जरूरत है। लेकिन नतीजों में नेतन्याहू का गठबंधन सिर्फ 53 सीटों पर सिमट गया। वहीं गादी आइजनकोर्ट के नेतृत्व वाले विपक्षी खेमे को 48 सीटें मिली। जबकि अरब पार्टियों के खाते में 19 सीटें आई। यानी नेतन्याहू का खेमा बहुमत से 8 सीट दूर है और आइजनकोट खेमा 13



सीट पीछे है। ऐसे में सरकार बनाने की चाबी उन 19 सांसदों के हाथ में पहुंच गई है जो अरब पार्टियों से आते हैं। गादी आइज़नकोट नई सरकार बनाने के लिए उन्होंने चार शर्तें रखी हैं। सबसे पहली है इजराइल यहूदी लोकतांत्रिक और उदार देश बना रहे हैं। इजराइल की पहचान यहूदी देश के साथ लोकतांत्रिक और उदार राष्ट्र के रूप में बनी रहे। सभी नागरिकों को बराबर अधिकार मिले। दूसरी शर्त है सभी नागरिकों के लिए सैन्य या राष्ट्रीय सेवा अनिवार्य हो। इजराइल के हर नागरिक को सेना, राष्ट्रीय सेवा या नागरिक सेवा करनी होगी। इसमें हरेदी यानी कि बेहद धार्मिक यहूदी समुदाय को भी शामिल किया जाएगा। किसी समुदाय को विशेष छूट नहीं मिलेगी। तीसरी शर्त है 1948 के स्वतंत्रता घोषणा पत्र के सिद्धांतों का पालन हो। नई सरकार इजराइल के स्वतंत्रता घोषणा पत्र में दिए गए लोकतंत्र, आजादी, न्याय और समानता के सिद्धांतों के मुताबिक काम करें। आइजन कोर्ट न्यायिक बदलाव से जुड़े विवादित कानूनों को रद्द करने के पक्ष में भी है। चौथा है गाज़ा से हमास का शासन और सैन्य ताकत खत्म हो। हमास को आतंकी संगठन के रूप में मान्यता दी जाए और गजा में उसकी शासन चलाने की क्षमता और सैन्य ताकत खत्म की जाए। 120 सीटों वाली इजराइली संसद में सरकार बनाने के लिए बहुमत है 61। तो नेतन्याहू गठबंधन के पास है 53 सीटें। आयजनकोर्ट का विपक्षी खेमा है 48 सीटों पर और अरब पार्टियों के पास है 19 सीटें। तो यानी कि सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका है 48 और 19 को मिला के 67 सीटें। अब पार्टीवार सीटों की बात करें तो नेतन्याहू का खेमे की सीटें लिक्विड की 27 यूनाइटेड टोरा जुडिज्म सात ओजमा यहूदित सात शास छह रिलीजियस जायनिज्म छह। इसको मिला के कुल हुई 53 सीटें। आइज़न कोर्ट के खेमे की बात करें तो याशार में 21 सीटें बियाद की 12 सीटें डेमोक्रेट्स की आठ येल बेतेनू की सात कुल मिलाकर 48 सीटें अब अरब पार्टियों की बात करें तो जॉइंट लिस्ट की 11 राम की आठ कुल मिलाकर 19 सीटें इजराइल में चुनाव जीतना और प्रधानमंत्री बनना दो अलग–अलग प्रक्रिया हैं। किसी भी पार्टी को अपने दम पर बहुमत नहीं मिलता इसलिए दूसरी पार्टियों के साथ गठबंधन बनाना जरूरी होता है।

मिड टर्म चुनाव से पहले खेल, अकेले पड़े ट्रंप, हार तय ?

अमेरिका में 3 नवंबर को मिड टर्म चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले ही अर्ली वोटिंग शुरू हो गई है। अब तक करीब 4 करोड़ लोग वोट डाल चुके हैं। रॉयटर्स और इसॉस के सर्वे के मुताबिक अर्ली वोटिंग में राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिक पार्टी पीछे चल रही है। विपक्षी डेमोक्रेट्स को 47: और रिपब्लिकन पार्टी को 36: वोटर्स का समर्थन मिल रहा है। इसी बीच ट्रंप ने अमेरिका के 30 राज्यों से वोटर लिस्ट की मांग की है। माना जा रहा है कि ट्रंप इस डाटा के जरिए विरोधी वोटर्स की पहचान कर उन पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं। दरअसल अमेरिका में चुनाव के तय दिन पहले से ही वोट डालने की सुविधा को अर्ली वोटिंग कहते हैं। वोटर चुनाव वाले दिन का इंतजार किए बिना तय समय के दौरान वोट डाल सकते हैं और इसके लिए वोटर मतदान केंद्र जाते हैं या फिर कुछ राज्यों में डाक से बैलेट भेजकर वोट दे सकते हैं। इसका मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोट डालने का मौका देना है। ट्रंप सरकार ने 30 राज्यों से वोटर्स की पूरी जानकारी मांगी है। इस मामले में ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में भी अपील की। इस लिस्ट में वोटर्स के पते, जन्मतिथि और सोशल सिक्योरिटी नंबर जैसी जानकारियां शामिल है। ट्रंप सरकार का कहना है कि वह इसलिए जानकारी चाहती है ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं गैर अमेरिकी नागरिक तो वोट नहीं डाल रहे हैं। हालांकि अब तक फर्जी वोटिंग होने का कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है। जानकारों ने चिंता जताई है कि इस जानकारी का इस्तेमाल ट्रंप के विरोध में वोट डालने वालों की पहचान के लिए हो सकती है। आशंका है कि सरकार इमीग्रेशन एजेंसी आईसीई और एफबीआई के जरिए ऐसे लोगों पर दबाव बनाए। रॉयटर्स और एप्सॉस सर्वे के मुताबिक महंगाई इसकी सबसे बड़ी समस्या है। 65: वोटर ट्रंप के आर्थिक फैसलों से नाराज है। इमीग्रेशन से भी एक बड़ी समस्या है। 48: वोटर्स



का मानना है कि सख्त इमीग्रेशन नीतियों से अमेरिका को नुकसान हो रहा है। रोजगार भी एक बड़ी समस्या है। 45: वोटर्स हैं जिनका कहना है कि नौकरी के मौके कम हो रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी चुनाव प्रचार की कमान संभाली है। वो अब तक 50 से ज्यादा चुनावी सभाएं कर चुके हैं। कैलिफोर्निया टेक्सास जैसे राज्यों में ओबामा काफी लोकप्रिय है। भारतवंशी पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी चुनावी सभाएं बढ़ा दी हैं। साल 2024 में राष्ट्रपति चुनाव में वह ट्रंप के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार थी। मिड टर्म चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी हार जाती है तो भी ट्रंप राष्ट्रपति बने रहेंगे। उनका कार्यकाल क्योंकि साल 2028 तक है। हालांकि संसद में बहुमत नहीं रहने पर उनके लिए अपनी नीतियों को लागू करना मुश्किल हो जाएगा।



फ्लोरिडा में डोनाल्ड ट्रंप के आवास मार–ए–लागो के पास दर्दनाक विमान हादसा, सवार सभी 9 लोगों की मौत

अमेरिका के दक्षिण फ्लोरिडा से एक बेहद भीषण और दहला देने वाली खबर सामने आ रही है। पाम बीच काउंटी के एक रिहायशी इलाके में रविवार को एक प्राइवेट बिजनेस जेट क्रैश हो गया। इस भयंकर हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। यह दुर्घटना अमेरिका के नवनिर्वाचित/वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मशहूर रिसॉर्ट और आवास मार–ए–लागो से महज नौ मील (लगभग 14 किलोमीटर) की दूरी पर हुई, जिससे सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया है। यह जेट दोपहर करीब 12:50 बजे पाम बीच काउंटी के क्रेस्टहेवन इलाके में गिरा और देखते ही देखते आग के एक बड़े गोले में तब्दील हो गया। रविवार (स्थानीय समय) को नौ लोगों को ले जा रहा एक लियरजेट 60 विमान दक्षिण फ्लोरिडा के एक रिहायशी इलाके में सीधे नीचे आ गिरा और उसमें भीषण आग लग गई। विमान एक व्यस्त सड़क के पास क्रैश हुआ, लेकिन गनीमत रही कि यह पास के घरों से टकराने से बाल–बाल बच गया। क्रैश के कारण सड़क पर एक बड़ा और जलता हुआ गड्ढा बन गया। विमान 35,000 फीट (लगभग 11 किलोमीटर) की ऊंचाई पर पूर्व दिशा की ओर जा रहा था, तभी पायलटों ने हवा में हलचल (टर्बुलेंस), बर्फ जमने (आइसिंग) और बारिश/बर्फबारी की सूचना दी। उन्होंने विमान को 2,000 फीट (लगभग 610 मीटर) और ऊपर ले जाने की अनुमति मांगी। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) के अनुसार, यह जेट टेक्सास के ऑस्टिन–बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरकर बहामास जा रहा था। अधिकारियों ने फिलहाल क्रैश के कारणों या विमान में सवार लोगों की पहचान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। अमेरिकी परिवहन सचिव ने 9 लोगों की मौत की पुष्टि की

अमेरिकी परिवहन सचिव शॉन डफी ने एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में आज हुआ विमान हादसा एक भयानक त्रासदी है। उन्होंने पुष्टि की कि श्लियरजेट 60श में सवार सभी नौ लोगों की मौत हो गई है। यह विमान टेक्सास के ऑस्टिन से बहामास के लिए रवाना हुआ था। डफी ने बताया कि फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन, नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड की जांच में मदद के लिए एक टीम भेज रहा है, जो हादसे के कारणों का पता लगाएगी। ऑस्टिन–बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रवक्ता जिम रेनॉल्ड्स ने बताया कि यह एक निजी विमान था। वे फिलहाल यह जानकारी नहीं दे सके कि विमान में कौन–कौन सवार था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

